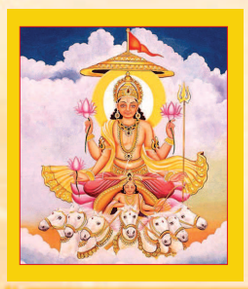

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

ओम ऐहि सूर्य सह स्त्रांशों तेजोराशे जग त्पते,
अनुकंपयेमां भक्त्या, गृहाणार्घ्यं नमो स्तुते।।

8 जनवरी - 14 जनवरी 2025

jagrukjanta.net

पौष, पक्ष - शुक्ल, तिथि - नवमी, संवत 2081 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-45, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

एक समय सीमा के बाद मालिकों की होती ही है अदला-बदली!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

जब भी मैं बड़े-बड़े मकानों, हवेलियों, कोठी-बंगलों और बाग-बगीचों, तालाबों, खेतों पर चहलकदमी और हंसते-खिलते चेहरों को देखता हूं तो मुझे हंसी आती है। दूसरी तरफ जब ऐसे ही सूने पड़े बड़े और छोटे मकानों, हवेलियों, कोठी-बंगलों को देखता हूं तब भी हंसी आती है। हंसी इसलिए आती है कि इनमें रहने वालों को मालिक होने का भ्रम होता है, जो कि सच नहीं है। जो स्थान कभी आबाद और गहमा-गहमी भरे हुआ करते थे, एक तय समय ऐसा आता है तब वे सुनसान और उजाड़ हो जाते हैं। ऐसा क्या है प्रकृति में। आज देख लो बड़े-बड़े किले सुनसान पड़े हैं जिनमें कभी शहनाईयों की आवाजें आती थीं। अब उनमें बागर और चमगादड़ चिपके हुए हैं और मलीन सी गंध आती देखी जा सकती है। ये सब समय का प्रभाव ही तो है। लोगों को कहते सुना है कि घर और जमीन 100 साल से ज्यादा एक मालिक को बर्दाश्त नहीं करती। वे अपना मालिक बदल लेते हैं और उनमें चहल-कदमी के लिए पुनर्निर्माण जरूरी होता है। इसे आप यूं भी कह सकते हैं कि आप घर नहीं बदलते, घर बदलता है अपने मालिक को। आप कल्पना कीजिए एक मकान बनाने की। जब मकान बन रहा होता है तो घर के सारे लोग नक्शा बनाने में व्यस्त रहते हैं। इधर किचन होगी, उधर बाथरूम होगा, उधर चौक होगा, यहां सिड्डियां होंगी। यहां ड्राइंग रूम होगा। यहां सोफा रखेंगे, वहां दादा का कमरा होगा, वहां बड़े भाई का, यहां छोटे भाई का, यहां बच्चों को पढ़ने का। यहां मेहमानों को बैठने की जगह। आदि-आदि। जब मकान बन जाता है तो ये इच्छा रहती है कि कोई हमारे मकान को देखे और प्रशंसा करे। ऐसा होता भी है। किसी ने कुछ कमी निकाली होगी तो किसी ने बहुत बढ़िया बताया होगा। जब इसमें रहने आए होंगे तो रहने वालों के चेहरे चमक और दमक रहे होंगे। यज्ञ, हवन, पाठ-पूजा सब किया होगा। लेकिन कुछ समय बाद सब नीरस सा लगने लग जाता है। कुछ वर्षों बाद इन स्थानों के मालिक बदल जाते हैं। जो आज रह रहा है वह कल नहीं होगा। या तो वंशानुगत तरीके से मालिक बदल जाते हैं या फिर कुछ परेशानी सी होने लगती है या मजबूरी उत्पन्न हो जाती है तो किसी अन्य को बेचकर चले जाते हैं। यानी फिर मालिक बदल जाते हैं। कभी ये समय के साथ थपेड़े खाते हुए खंडहर में तब्दील हो जाते हैं। कहीं मकान मालिक इन्हें बंद कर बाहर रोजी-रोटी कमाने चले जाते हैं। ऐसे में ये मकान किसी अन्य मालिक की तलाश में रहते हैं। ये स्थानों को तलाशते हुए इनके मालिक स्वयं इनके पास आ जाते हैं या फिर ये मकान किसी के माध्यम से अपना मालिक तलाशते हुए उन्हें बुला लेते हैं। इसलिए ये निश्चित है कि एक समय सीमा के बाद ये चल और अचल संपत्तियां अपना मालिक अवश्य बदलती हैं। इसलिए ये भ्रम कभी भी नहीं पालना चाहिए कि मैं ही इनका मालिक हूं। हमसे पहले कोई और था। अब हमारे बाद कोई और होगा। यही सत्य है।

shivdayalmishra@gmail.com

76वें गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक : राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह उदयपुर में होगा आयोजित

सफल आयोजन के लिए सभी विभाग निर्धारित दायित्वों को करें पूरा-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 76वें गणतंत्र दिवस का राज्यस्तरीय समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ भव्य और परंपरागत रूप से आयोजित किया जाएगा। इस बार यह समारोह झीलों की नगरी उदयपुर में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपस में समन्वय के साथ कार्य करें।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय आयोजन में राष्ट्रीयता की भावना को इंगित करते हुए कार्यक्रम शामिल करें। साथ ही, समारोह में अधिक से अधिक लोगो की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजधानी जयपुर की सभी प्रमुख इमारतों, दर्शनीय स्थलों तथा सरकारी कार्यालयों के साथ ही, उदयपुर में भी सभी प्रमुख स्थानों पर आकर्षक सजावट की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों को निमंत्रण पत्र भेजने से लेकर उनके आवागमन, ठहरने और भोजन की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि राजभवन जयपुर तथा सहेलियों की बाड़ी उदयपुर में आयोजित होने वाले एटहोम कार्यक्रम के लिए भी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

शर्मा ने निर्देश दिये कि अधिकारी समारोह स्थल पर आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल टीम, सुरक्षा, बैरिकेडिंग एवं यातायात व्यवस्था सहित सभी तैयारियां समय पर पूरी होना सुनिश्चित करें। अधिकारी समारोह के दौरान स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुति, पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आदि से संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने पुलिस, शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए अपनी-अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के भी निर्देश दिए। बैठक में शासन सचिव सामान्य प्रशासन जोगा राम ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस के आयोजन की तैयारियों की रूपरेखा रखी।

दिल्ली के राजघाट पर बनेगा प्रणब मुखर्जी स्मारक

बेटी शर्मिष्ठा बोलीं- पीएम मोदी ने बिना मांगे सम्मान दिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। सरकार ने राजघाट स्थित 'राष्ट्रीय स्मृति' में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के स्मारक के लिए जगह देने की मंजूरी दी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लिया है। इसके लिए प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान बिना मांगे मिला है, जो उन्हें बेहद भावुक कर गया।

पीएम मोदी का जताया आभार

शर्मिष्ठा ने एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और बाबा के लिए स्मारक बनाने के उनकी सरकार के फैसले के लिए तहे दिल से आभार व्यक्त करती हूं। यह इसलिए भी ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि हमने इसके लिए नहीं कहा था। प्रधानमंत्री के इस अप्रत्याशित लेकिन वास्तव में दयालु इशारे से मैं बहुत भावुक हूं।'

'बिन मांगे सम्मान मिला'

उन्होंने कहा, 'बाबा कहा करते थे कि राजकीय सम्मान के लिए पूछा नहीं जाना चाहिए, बल्कि उसे पेश किया जाना चाहिए। मैं बहुत आभारी हूं कि प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा की स्मृति का सम्मान करने के लिए ऐसा किया। इससे बाबा की वर्तमान स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ता- प्रशंसा या आलोचना से परे। लेकिन उनकी बेटी के लिए, मैं अपनी खुशी को शब्दों में बयां नहीं कर सकता।'

कांग्रेस पर साधा था निशाना

हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद शर्मिष्ठा ने कांग्रेस पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि उनके पिता के निधन पर कांग्रेस वर्किंग कमिटी की कोई औपचारिक शोक सभा नहीं बुलाई गई थी। इससे उन्हें बहुत दुख हुआ।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

दिल्ली में चुनाव का ऐलान, 5 को मतदान और 8 फरवरी को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। दिल्ली में चुनाव का बिगुल बज गया है। दिल्ली में 5 फरवरी को मतदान और 8 फरवरी को नतीजे आएंगे। इसी के साथ ही सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) तीसरी बार लगातार जीत के लिए जोर लगा रही है, वहीं विपक्षी भाजपा ने बाजी पलटने के लिए हरसंभव कोशिश की है। कांग्रेस भी इस लड़ाई में शामिल है, जो अकेले ही मैदान में उतर रही है और भाजपा तथा आप (लोकसभा चुनावों में उसकी सहयोगी रही) दोनों को निशाना बना रही है।

भारत, नेपाल और चीन में लगातार भूकंप, 53 की मौत, घरों से निकले लोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। नेपाली सीमा के पास तिब्बत में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके दिल्ली-NCR, बिहार और असम सहित भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। नेपाल भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में बसा है, जहां भारतीय और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेटें टकराती हैं, जिससे हिमालय का निर्माण होता है और भूकंप अक्सर आते रहते हैं। भूकंप के झटके खास तौर पर बिहार में महसूस किए गए, जहां लोग अपने घरों और अपार्टमेंट से बाहर देखे गए। भूकंप के कारण नेपाल में अब तक 53 लोगों की मौत की खबर है।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, तिब्बत के शिज़ांग में सुबह 6:35 बजे 10 किलोमीटर की गहराई पर भूकंप का जोरदार झटका आया। भूकंप का केंद्र अक्षांश 28.86 एन और देशांतर 87.51 ई पर स्थित था। एनसीएस के अनुसार, शिज़ांग में चार भूकंप आए। पहला भूकंप सुबह 5:41 बजे रिक्टर पैमाने पर 4.2 तीव्रता का था, दूसरा और सबसे बड़ा (7.1) सुबह 6:35 बजे, तीसरा सुबह 7:02 बजे 4.7 तीव्रता का और चौथा भूकंप 7:07 बजे 4.9 तीव्रता का था।

बिहार के मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, बेतिया, मुंगेर, अररिया, सीतामढ़ी, गोपालगंज, वैशाली, नवादा और नालंदा समेत कई इलाकों में भूकंप के झटके करीब 30 सेकंड तक महसूस किए गए।

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

पूजा सोनी जिला प्रचार सचिव नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच के द्वारा सामाजिक सक्रियता तथा अधिवक्ता हित के प्रति समर्पण भावना, निष्ठा, लगन को देखते हुए मंच एवं महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष जयपुर रीना प्रजापति की अनुशंसा पर पूजा सोनी को महिला प्रकोष्ठ जयपुर का जिला प्रचार सचिव नियुक्त किया है।

अवस्थी बने प्रदेश महामंत्री

जयपुर/दौसा @ जागरूक जनता। सर्व शिक्षा अभियान विशेष शिक्षक संघ राजभामस के प्रदेश अधिवेशन प्रदेश भामस कार्यालय सरदार पटेल मार्ग जयपुर में प्रदेश अध्यक्ष जुगलकिशोर अवस्थी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ मुख्य अतिथि भामस के प्रदेश महामंत्री हरिमोहन शर्मा रहे एवं चुनाव प्रभारी कैलाश सैन भामस कार्यालय प्रभारी द्वारा नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया जिसमें जुगलकिशोर अवस्थी प्रदेश महामंत्री व राम खिलाड़ी मीणा प्रदेश अध्यक्ष व नरेश मीणा कोषाध्यक्ष बनाया गया।

शास्त्री के पहले और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 21 से

जयपुर @ जागरूक जनता। जगद्गुरु रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से शास्त्री के पहले और तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 21 जनवरी से शुरू होकर 27 जनवरी तक होगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. शंभु कुमार झा ने बताया कि प्रदेश में 48 केंद्र पर दो पालियो में होने वाली परीक्षा में 8209 परीक्षार्थी शामिल होगें। कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने परीक्षा के सफल आयोजन के लिए परीक्षा विभाग के अधिकारियो की बैठक ली। उन्हनों बताया कि बीए और एमए के प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा भी विश्वविद्यालय परिसर में इन्हीं तिथियो में होगी।

जागरूक जनता फेसबुक पेज
jagrukjanta.net
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
अपडेट
हर खबर से आपको रखें
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

सिरस और वनस्थली निवाई स्टेशनों के बीच ब्रिज नंबर 41-ए पर RCC बॉक्स डालने का कार्य

11-12-13 जनवरी को जयपुर से चलने वाली 8 ट्रेनें रहेंगी निरस्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे का बड़ा अलर्ट। उत्तर पश्चिम रेलवे ने 11 जनवरी से 13 जनवरी के बीच इस रूट की कई ट्रेनें निरस्त कर दी हैं। कुछ ट्रेनों को आंशिक रूप से निरस्त और कई का रूट डायवर्ट किया है। वजह है कि जयपुर-सवाई माधोपुर रेलवे सेक्शन के बीच रेलवे का कुछ काम होने जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण ने जानकारी दी कि जयपुर मंडल के जयपुर-सवाई माधोपुर रेलवे सेक्शन में सिरस और वनस्थली निवाई स्टेशनों के बीच ब्रिज नंबर 41-ए पर RCC बॉक्स डालने के लिए 12 जनवरी (रविवार) को ट्रेफिक ब्लॉक लिया जाएगा। इस कारण इस रूट से गुजरने वाली 8 ट्रेनें

निरस्त, 4 ट्रेनें आंशिक रूप से निरस्त और 3 ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने यात्रियों को सावधान किया कि ट्रेनों का शेड्यूल चेक कर ही यात्रा करें।

आंशिक रूप से कैंसिल ट्रेनें के नाम जानें

» **जबलपुर-अजमेर (12181) :** 11 जनवरी को कोटा से अजमेर तक कैंसिल रहेगी। जबलपुर से कोटा तक चलेगी।

कैंसिल ट्रेनों के जानें नाम

» **जयपुर-बयाना जंक्शन (19721) :** 12 जनवरी को निरस्त।
» **बयाना जंक्शन-जयपुर (19722) :** 12 जनवरी को निरस्त।
» **जोधपुर-इंदौर जंक्शन (14801) :** 11 जनवरी को निरस्त।
» **इंदौर जंक्शन-जोधपुर (12465) :** 12 जनवरी को निरस्त।
» **जोधपुर-इंदौर जंक्शन (12466) :** 12 जनवरी को निरस्त।
» **इंदौर जंक्शन-जोधपुर (14802) :** 13 जनवरी को निरस्त।
» **जोधपुर-भोपाल (14813) :** 12 जनवरी को निरस्त।
» **भोपाल-जोधपुर (14814) :** 13 जनवरी को निरस्त।

» **अजमेर-जबलपुर (12182):** 12 जनवरी 2025 को कोटा से जबलपुर तक चलेगी। अजमेर से कोटा तक कैंसिल।
» **मुंबई सेंट्रल-जयपुर (12955) :** 11 जनवरी 2025 को मुंबई सेंट्रल से कोटा तक चलेगी। कोटा से जयपुर तक कैंसिल।
» **जयपुर-मुंबई सेंट्रल (12956) :** 12 जनवरी 2025 को जयपुर से कोटा तक कैंसिल। कोटा से मुंबई सेंट्रल तक चलेगी।

इन ट्रेनों का डायवर्ट हुआ रूट

1- अजमेर-बांद्रा टर्मिनस (09621)
12 जनवरी 2025 को अजमेर-चंदेरिया-रतलाम के रुट से चलेगी। यह भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, नीमच और मंदसौर स्टेशनों पर रुकेगी।

2- बांद्रा टर्मिनस-जयपुर (12979)
11 जनवरी 2025 को कोटा-चंदेरिया-अजमेर के रुट से चलेगी। यह चंदेरिया और भीलवाड़ा स्टेशनों पर रुकेगी।

3- बीकानेर-बिलासपुर (20846)
12 जनवरी 2025 को जयपुर-बांदीकुई-भरतपुर-सवाईमाधोपुर के रुट से चलेगी। यह भरतपुर स्टेशन पर रुकेगी।

विकल्प इंडिया सोसाइटी मनायेगा पतंग महोत्सव

बच्चों को निःशुल्क वितरित होगी जनसंदेश लिखी पतंगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व से पूर्व विकल्प इंडिया सोसाइटी द्वारा जनमानस में हजारों पतंगों के नवाचार के माध्यम से राजस्थान सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के संदेश प्रचार प्रसार वातावरण निर्माण हेतु 9 जनवरी को प्रात 9 बजे निःशुल्क पतंग वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम विद्याधर नगर के सेक्टर 3 में स्थित ग्रीन पार्क बियानी कॉलेज में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सहभागिता स्वरूप विद्याधर नगर क्षेत्र से विकास समिति सेक्टर 3 एवं ग्रीन पार्क समिति, समस्त पार्षदगण एवं गणमान्य एवं प्रभावशाली व्यक्ति क्षेत्र के विभिन्न स्कूल व कॉलेज से छात्र छात्राएं उक्त कार्यक्रम में भाग लेंगे उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी पतंग महोत्सव के माध्यम से जन-जन तक घर-घर तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम उपस्थित रहेंगे। सोसाइटी अध्यक्ष संजय कटारा ने बताया कि जन जागरूकता हेतु हजारों पतंगों पर जन संदेश लिखवाकर निःशुल्क पतंगों का वितरण किया जाएगा।

राज्यपाल बागड़े ने कलाकारों का अभिनंदन करते हुए उनकी कला की सराहना की

संगीत ईश्वर के निकट पहुंचने का सर्वोच्च साधन-बागड़े

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को छत्रपति संभाजी नगर स्थित खंडेलवाल दिगंबर जैन समाज के पारसनाथ जैन मंदिर में पहुंचकर श्री शांतिनाथ भगवान की पूजा अर्चना की। उन्होंने मंदिर में भगवान के दर्शन कर सभी के मंगल की कामना की। राज्यपाल का बाद में जैन समाज द्वारा भाव–भरा अभिनंदन और सम्मान किया गया। राज्यपाल ने सभी का आभार जताया और जैन समुदाय द्वारा समाज सेवा के लिए किए कार्यों की सराहना की। राज्यपाल बागडे ने छत्रपति संभाजी नगर में गोविंद भाई श्रॉफ संगीत महोत्सव में भी भाग

लिया। श्री सरस्वती भुवन शिक्षण संस्था द्वारा आयोजित इस समारोह में उन्होंने कलाकारों का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय संगीत अंतर के अन्वेषण से जुड़ा है। हमारे यहां संगीत ईश्वर के निकट पहुंचने का सर्वोच्च साधन बताया गया है। उन्होंने बाद में समारोह में सांगीतिक प्रस्तुतियां का भी आस्वाद किया और कलाकारों की कला की सराहना की।

जयपुर-रींगस रेलवे स्टेशन पर डिजिटल लॉकर सुविधा शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर मंडल के जयपुर व रींगस रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के सामान की सुरक्षा के लिए डिजिटल लॉकर की सुविधा शुरू की गई है। यह सुविधा शुरू होने से यात्रियों को चोरी की घटनाओं से अपना सामान सुरक्षित रखने में काफी मदद मिलेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर कृष्ण कुमार मीणा ने बताया कि यात्री अपने मोबाइल नंबर से ओटीपी प्राप्त करके लॉकर को यूज कर सकते हैं। इसमें ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की सुविधा भी दी गई है। डिजिटल लॉकर में मीडियम, लार्ज और एक्स्ट्रा लार्ज तीन साइज के लॉकर हैं, जिसको यात्री 6 घंटे और 24 घंटे के लिए बुक कर सकते हैं। डिजिटल लॉकर उपयोग करने के लिए, यात्रियों को डिजिटल पैनल पर अपना मोबाइल नंबर फीड करना होगा, जिसके बाद इसे ओटीपी के माध्यम से ऑपरेट करना है। इसके बाद ईमेल आईडी और नाम के साथ वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा और उसके बाद पैनल पर अपनी सुविधा के अनुसार साइज का लॉकर सिलेक्ट करना होगा। फिर क्यूआर कोड स्कैन कर पेमेंट कर लॉकर यूज कर सकेंगे।

श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर से राशन सामग्री का ट्रक प्रयागराज रवाना

विधायक गोपाल शर्मा-शत्रुघ्न गौत्तम ने दिखाई हरी झंडी

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रयागराज में हो रहे पूर्ण कुंभ में छोटीकाशी की ओर से राशन सामग्री भेजने का सिलसिला जारी है। मंगलवार को नंदपुरी सोडाला स्थित श्री सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर से राशन सामग्री का ट्रक रवाना किया गया। सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर ट्रक को रवाना किया। इस मौके पर गोपाल शर्मा ने कहा कि दुनिया में कहीं भी कोई कार्य हो छोटीकाशी ने बढ़ चढ़कर योगदान दिया है। यहां का हर व्यक्ति भामाशाह है। प्रयागराज कुंभ में राजस्थान सरकार भी पूरे समर्पण भाव से सेवा कार्य करेगी। आगे भी राशन सामग्री की आवश्यक्ता पड़ेगी तो भेजी जाएगी। इस मौके पर केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौत्तम, पार्षद राहुल शर्मा, पार्षद पवन नटराज, व्यापार मंडल के पदाधिकारी नवीन शर्मा, महेंद्र सिंह, प्रेम प्रकाश शर्मा, धनराज कुमावत, रोशन मीणा, अमन सैनी, आनंद शर्मा, कान्हा यादव, प्रवीण शर्मा सहित स्थानीय व्यापारी और श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने जयकारों के साथ रथ को रवाना किया।

स्टूडेंट काउंसिल शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी बी.एड कॉलेज में सोमवार को स्टूडेंट काउंसिल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बी.एड प्रथम वर्ष की छात्राओं के बीच चुनाव प्रक्रिया पूरी कर विभिन्न पदों पर चयन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के निदेशक डॉ. संजय बियानी ने सभी को मोटिवेट करते हुए कहा कि कोई भी काम ऐसा नहीं होता जो किसी के लिए भी करना मुश्किल हो इसलिए पूरी निष्ठा और विश्वास के साथ आप अपनी पोजिशन्स को ध्यान में रखते हुए कॉलेज का नाम आगे तक ले जाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. एकता पारीक ने सभी नव-निर्वाचित सदस्यों को माला पहनाकर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। स्टूडेंट काउंसिल में ज्योति कंवर को प्रेसिडेंट, अंजू प्रिया को वाइस प्रेसिडेंट और लक्षिता सिंह चौहान को सेक्रेटरी के रूप में नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई, जिससे यह आयोजन सफल और प्रेरणादायक बना।

नववर्ष पर शांति देवी फाउंडेशन ने बुजुर्गों को कराया भोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नए साल की शुरुआत बुजुर्गों के आशीर्वाद और स्नेह के साथ की गई, जहां 175 से अधिक बुजुर्गों को प्रेम और सम्मान के साथ भोजन सेवा प्रदान की गई।

इस विशेष कार्यक्रम के दौरान शांति देवी फाउंडेशन के संस्थापक श्रवण शर्मा ने कहा, "आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बुजुर्गों का आशीर्वाद और उनका स्नेह हमारे जीवन को सकारात्मकता और ऊर्जा से भरता है।" उन्होंने यह भी बताया कि फाउंडेशन हमेशा से समाजसेवा के कार्यों के प्रति समर्पित रहा है और इस तरह की गतिविधियाँ नियमित रूप से आयोजित करता आया है। इस अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक श्रवण शर्मा, डॉ. प्रतीक गर्ग, दिनेश व्यास समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पाला पड़ने से फसलों में नुकसान की संभावना, किसान अपनायें सुरक्षा उपाय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शीतलहर व पाले से फसलों को नुकसान होने की संभावना रहती है, जिससे पौधों की पत्तियां व फूल झुलसकर झड़ जाते हैं एवं पौधों की फलियों-बालियों में दाने बनते नहीं है या सिकुड जाते है। उन्होंने बताया कि रबी की फसलों में फूल व बालियाँ बनने के समय पाला पड़ने पर सर्वाधिक नुकसान की संभावना रहती है। इस समय किसानों को सतर्क रहकर फसलों की सुरक्षा के उपाय अपनाने चाहिए।

शीतलहर व पाले से फसल की सुरक्षा के उपाय

फसलों को पाले से बचाने हेतु गंधक के तेजाब का 0.1 प्रतिशत अर्थात एक हजार लीटर पानी में एक लीटर सान्द्र गंधक का तेजाब का घोल तैयार कर फसलों पर छिड़काव करें अथवा घुलनशील गंधक के 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव भी कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि नकदी सब्जी वाली फसलों में भूमि के तापमान को कम होने से बचाने के लिए टाट, पॉलिथिन अथवा भूसे से ढ़क देना चाहिए। पाले के दिनों में फसलों में सिंचाई करने से भी पाले का असर कम होता है। पाले के स्थाई समाधान के लिए खेती की उत्तर-पश्चिम दिशा में मेड़ों पर घने ऊंचे वृक्ष लगायें।

उल्लेखनीय है कि जब आसमान साफ हो, हवा न चल रही है और तापमान काफी कम हो जाये तब पाला पडने की संभावना बढ़ जाती है। दिन के समय दोपहर से पहले ठण्डी हवा चल रही हो व हवा का तापमान अत्यन्त कम होने लग जाये और दोपहर बाद अचानक हवा चलना बंद हो जाये तब पाला पड़ने की आंशका बढ़ जाती है। पाले के कारण पौधों की कोशिकाओं में उपस्थित जल जमने से कोशिका भित्ति फट जाती है, जिससे पौधों की पत्तियां, कोंपलें, फूल एवं फल क्षतिग्रस्त हो जाते है।

निगम ने की सोर्स सेग्रीगेशन एवं होम कम्पोस्टिंग की समझाइश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रुक्मणी रियाड के निर्देशानुसार मंगलवार को स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 के अंतर्गत नगर निगम ग्रेटर, फिनीलूप एवं वि-केयर की टीम ने मुरलीपुरा जोन के समस्त 21 वार्डों में स्वच्छता की अलख जगाते हुए स्वच्छता हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में उपायुक्त स्वास्थ्य ओम प्रकाश थानवी एवं उपायुक्त मुरलीपुरा जोन अर्पणा शर्मा भी मौजूद रही।

उपायुक्त मुरलीपुरा जोन अर्पणा शर्मा ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण में जन भागीदारी बढ़ाने के लिए नगर निगम ग्रेटर, फिनीलूप एवं वि-केयर की टीमों द्वारा घर-घर जाकर लोगों को गीले एवं सूखे कचरे के बारे में समझाइश की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नगर निगम ग्रेटर की 7 टीमों का गठन करके 21 वार्डों के प्रत्येक घर को सोर्स सेग्रीगेशन (कचरा पृथक्करण), होम कंपोस्टिंग एवं प्रतिदिन 4 बिन घर में रखने की समझाईश की तथा घर में ही किस प्रकार से गीले कचरे से कंपोस्ट बनाई जा सके इसके लिए जागरूक किया गया। नगर निगम ग्रेटर के इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

विकास मॉडल

आवां ग्राम पंचायत का मॉडल अपनायेगा महाराष्ट्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। टोंक जिले के आवां ग्राम पंचायत के विकास कार्यों से प्रभावित होकर यहां के विकास मॉडल को महाराष्ट्र के नागपुर, वर्धा, भंडारा और गोंदिया जिले अपनाएंगे। यह जानकारी सोमवार सुबह महाराष्ट्र से आए इन चार जिलों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के 50 सदस्यीय दल ने पत्रकारों को दी।

महाराष्ट्र सरकार के इस दल की ओर से वर्धा जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्ञानदा लिंगेश्वर फणसे ने कहा कि सरपंच दिव्यांश भारद्वाज की सोच अच्छी है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की ग्राम पंचायतों में भी ऐसे सुंदर, यूनिक और उपयोगी काम नहीं हैं। वहां ऐसे हैरिटेज पंचायत भवन, हैरिटेज लुक का श्मशान घाट, वातानुकूलित पुस्तकालय, मैरिज गार्डन और महिला घाट बनाएंगे। उन्होंने कहा सरपंच दिव्यांश एम भारद्वाज को महाराष्ट्र बुलाएंगे ताकि वे वहां के सरपंचों को विकास के बारे में समझा सकें।

सरपंच दिव्यांश भारद्वाज ने आवां ग्राम पंचायत में पुस्तकालय के लिए एक कमरा निशुल्क उपलब्ध करवाया है। इस पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं के अतिरिक्त कला, साहित्य, इतिहास, धर्म से सम्बंधित पुस्तकें हैं, जिनका लाभ पूरा गांव उठा रहा है। यहां आने वाले पाठकों के लिए सभी सुविधाएं मुफ्त हैं। अब धीरे-धीरे पुस्तकालय में पाठकों की संख्या लगातार बढ़ने लगी है।

मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में जनसंपर्क विभाग में डीपीसी की बैठक

22 अधिकारियों की हुई पदोन्नति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के 22 अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान की गई है। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त सुनील शर्मा ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अय्यूब खान की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अतिरिक्त निदेशक के 2, संयुक्त निदेशक के 3, उपनिदेशक के 8 एवं सहायक निदेशक के 9 पदों सहित कुल 22 पदों पर पदोन्नति की अभिशंसा की गई। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभागों में कार्मिकों को पदोन्नति के समुचित अवसर प्रदान करने की दिशा में निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में मंगलवार को सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में विभागीय पदोन्नति समिति के माध्यम से अधिकारियों को पदोन्नति की गई है। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता सहित कार्मिक एवं जनसम्पर्क विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश में 5.45 करोड़ से अधिक मतदाता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में निर्वाचन विभाग द्वारा पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या पांच करोड़ 45 लाख 69 हजार 501 हो गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने मंगलवार को बताया कि राज्य के सभी 200 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की एकीकृत फोटोयुक्त मतदाता सूचियों में दो करोड़ 82 लाख अधिक पुरुष और दो करोड़ 63 लाख से अधिक महिला मतदाताओं सहित 671 थर्ड जेंडर मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। मंगलवार को प्रकाशित की गई ये सूचियां विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' एमओयू समीक्षा बैठक

निरंतर मॉनिटरिंग से धरातल पर उतरेगा निवेश-मुख्यमंत्री शर्मा

त्रि-स्तरीय एमओयू क्रियान्वयन में समयबद्धता एवं नियमों का हो पालन

हर माह होगी एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का आर्थिक विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना हमारे प्रमुख संकल्पों में से एक है और इसे पूरा करने के लिए मजबूत कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़े उद्योगों के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के आयोजन ने सभी प्रयासों को मजबूती एवं गति प्रदान की है। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि तीन श्रेणियों में विभक्त एमओयू के क्रियान्वयन के कार्य में समयबद्धता एवं नियमों का पालन किया जाए। उन्होंने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग को निर्देशित किया कि एमओयू के क्रियान्वयन को गति प्रदान करने के लिए आवश्यक नियमावली बनाएं। साथ ही, मुख्यमंत्री कार्यालय को हर माह 11 व 26 तारीख को क्रियान्वयन की प्रगति रिपोर्ट भेजी जाए।

शासन सचिव एवं जिला कलक्टर्स निरंतर करें एमओयू क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग

शर्मा ने निर्देशित किया कि विभागीय शासन सचिव एमओयू क्रियान्वयन की सम्पूर्ण प्रक्रिया की निरंतर मॉनिटरिंग करें। जिला प्रभारी सचिव एवं जिला कलक्टर्स एमओयू को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर निवेशकों से संवाद स्थापित करते हुए मॉनिटरिंग करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी 10 दिन में 1 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि वाले एमओयू के लिए जमीन जरूरत के मामलों में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

निवेशकों को मिलेगी अपने एमओयू क्रियान्वयन की प्रगति रिपोर्ट

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निवेशकों को दी जाने वाली सहूलियतें नियमानुसार उपलब्ध करायी जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों से निरंतर सम्पर्क स्थापित कर उनकी प्राथमिक आवश्यकताओं को चिन्हित करें। साथ ही, विशेष रूप से नियमानुसार ही एमओयू से संबंधित भू-आवंटन के प्रकरणों को प्राथमिकता से समय पर निस्तारित करें। वहीं निवेशक को भी एमओयू क्रियान्यवन की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट देखने की व्यवस्था की जाए। शर्मा ने निर्देश दिए कि ऐसे एमओयू जिनमें एक से अधिक विभागों की स्वीकृति आवश्यक है, ऐसी स्थिति में सभी संबंधित विभाग क्रियान्वयन प्रक्रिया को आपसी सामंजस्य के साथ तीव्र गति से पूरा करें। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अभिजात शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव खान एवं पैट्रोलियम टी. रविकांत, प्रमुख शासन सचिव आयुर्वेद भवानी सिंह देथा सहित विभिन्न विभागों के शासन सचिव उपस्थित रहे।

नए आपराधिक कानूनों के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक

प्रतियोगिताओं द्वारा युवाओं को किया जाए नए कानूनों के बारे में जागरूक-शर्मा

नए आपराधिक कानून शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्रदान करने में निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश में लागू तीन नवीन कानूनों में सजा की तुलना में न्याय पर अधिक जोर दिया गया है। नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम हमारे संविधान की मूल भावना के अनुसार बनाए गए हैं। ये कानून आमजन को शीघ्र एवं सुलभ न्याय प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री के कहा कि नवीन आपराधिक विधि में आपराधिक मामले के महत्वपूर्ण चरणों के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है जिससे पीड़ित को त्वरित न्याय मिल रहा है। साथ ही पीड़ित को अपने साथ हुए अपराध की रिपोर्ट संबंधित क्षेत्र के थाने में दर्ज कराने की बाध्यता से मुक्ति मिली है। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर नवीन आपराधिक कानूनों के राजस्थान में क्रियान्वयन तथा प्रचार-प्रसार के संबंध में गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा राज्य सरकार प्रदेश में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा जनता को भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नए कानूनों को लागू करने में आवश्यक संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

नए कानूनों का राजस्थान में हो रहा प्रभावी क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए कानूनों का प्रदेश में प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है और इनके प्रचार-प्रसार में राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। आमजन को इनकी जानकारी देने के लिए राज्य सरकार कई कदम उठा रही है। राज्य की 11 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से नए कानूनों की जानकारी दी गई है। साथ ही, प्रदेश में महिला एवं बाल सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के बारे में पुस्तकें तैयार करवाकर वितरित की गई है। राजस्थान पुलिस की राजकॉप एप्लीकेशन में भी नए कानूनों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया तथा पंपलेट और पोस्टर के माध्यम से इनका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए कानूनों के बारे में पुलिस के अनुसंधान अधिकारियों को समुचित प्रशिक्षण देने के साथ ही उन्हें स्व अध्ययन के लिए बुकलेट भी वितरित की जाए। प्रदेश के उच्च माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नए कानूनों के संबंध में सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन कराया जाए, जिससे युवाओं में इनको लेकर जागरूकता बढ़े।

69 हजार से अधिक कार्मिकों को नए कानूनों का प्रशिक्षण

बैठक में बताया गया कि नए कानूनों को लागू करने हेतु मुख्यालय स्तर पर सात समितियों का गठन किया गया। इन समितियों ने विधिक क्रियान्वयन, प्रक्रिया संशोधन, हितधारकों को प्रशिक्षण, वित्तीय संसाधनों का निर्धारण, फॉरेंसिक दक्षता अभिवृद्धि, डिजिटल अनुसंधान एवं तकनीकी समायोजन जैसे विभिन्न बिंदुओं के आधार पर विस्तृत कार्ययोजना बनायी।

कांग्रेस ने अंग्रेजी स्कूलों के नाम पर लूट-पाट के दरवाजे खोले-दिलावर

जयपुर @ जागरूक जनता। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा जी पहले ये बताएं कि अंग्रेजी स्कूल कांग्रेस ने खोलें थे क्या।कांग्रेस से बड़ा झूठ कोई नहीं है। कांग्रेस सरकार ने हिन्दी माध्यम स्कूलों के ऊपर केवलअंग्रेजी माध्यम के बोर्ड लटकाएं थे। उसमें ना कोई अंग्रेजी माध्यम के टीचर थे, ना कोई वहां भवन था और ना कोईपरिसर थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने केवल लूट-पाट का दरवाजा खोला था। कांग्रेस सरकार ने अंग्रेजी स्कूलों में अध्यापक दिए ही नहीं।हिन्दी वाले अंग्रेजी नहीं पढ़ा पाएं एवं हिन्दी वाले स्कूल इसलिए पिछड़ गए कि उनके पास अध्यापक नहीं थे, तो इससे अंग्रेजी पढ़ने वाले बच्चों का भी बुरा हुआ और हिन्दी पढ़ने वाले बच्चों का भी बुरा हुआ।इस अन्याय के लिए भगवान कांग्रेस को किसी भी तरह से माफ नहीं करेंगा। उन्होंने कहा कि डोटासरा जी आजकल अपने परिवार वाले की वजह से बहुत परेशान हो रहे हैं, क्योंकि पहले रोज जो चोरी का पैसा लाते थे वो अब नहीं मिल पा रहा है और इसी कारण से उछल-कूद कर रहे हैं। डोटासरा जी की स्थिति बिना पानी के तड़पती हुई मछली के जैसी है।

आम सूचना

आज दिनांक को आम सूचना प्रसारित की जाती है की श्री इंडस्ट्रीज जिसकी स्थापना 30 मई 2023 को अजय जैन, प्रीति सिंह, अभीशेक शर्मा, कुनाल शर्मा सहित 4 पार्टनर्स द्वारा 625, मोर्डन स्कूल के पास, सिवेरा रोड, झाडोली, जिला सिरोही में की गयी थी, जहा आगे जा कर ये फर्म से प्रीति सिंह स्वेछा से निवृत हो रहे है, जो फर्म भविष्य में अजय जैन, अभीषेक शर्मा, कुनाल शर्मा द्वारा चलायी जाएगी। अतः इस विषय बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो आज दिनांक से 7 दिवस में हमे अवगत करावे।

विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम- 2025 के तहत अंतिम मतदाता सूचियों का हुआ प्रकाशन

जयपुर जिले बढ़े 62 हजार 688 मतदाता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के तहत जयपुर जिले में मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया गया है। जिला कलक्ट्रेट में मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में बैठक का आयोजन हुआ।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 (29 अक्टूबर से 28 नवम्बर) के पूर्व जिले में 52 लाख 7 हजार 669 मतदाता थे एवं पुनरीक्षण कार्यक्रम के पश्चात 52 लाख 70 हजार 337 मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के दौरान 83 हजार 311 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए एवं 20 हजार 643 (मृत, स्थानान्तरित एवं दोहरी प्रविष्ठि) मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित किए गए। इस प्रकार जिले में कुल शुद्ध वृद्धि 62 हजार 668 की हुई है। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि पुनरीक्षण अवधि के दौरान पुरुषों की संख्या में शुद्ध वृद्धि 26 हजार 745 एवं महिलाओं की संख्या में 35 हजार 923 शुद्ध वृद्धि हुई है।

विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के दौरान जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों में सर्वाधिक 9 हजार 909 मतदाताओं के नाम कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में जोड़े गए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि जिले में सर्वाधिक 4 हजार 38 महिला मतदाताओं के नाम कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में जोड़े गए। जिले में सर्वाधिक 5 हजार 871 पुरुष मतदाताओं के नाम कोटपूतली विधानसभा में जोड़े गए। वर्तमान में जिले में सर्वाधिक मतदाता 453825 झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में है।उन्होंने बताया कि विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के पश्चात जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों में 66 हजार 349 पुरुष एवं 47 हजार 268 महिला युवा (18-19 वर्ष) मतदाता हैं। विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के दौरान जयपुर जिले की 19 विधानसभा क्षेत्रों में सबसे कम 1 हजार 741 मतदाताओं के नाम सिविल लाईन्स विधानसभा क्षेत्र में जोड़े गए। वर्तमान में जिले में सबसे कम मतदाता 1 लाख 97 हजार 9 किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में है।

बैंक ऑफ बड़ौदा तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ एमओयू

बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र राज्य की विकास यात्रा में बनेंगे भागीदार -मुख्यमंत्री शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने अमृत कालखंड- 'विकसित राजस्थान 2047' के तहत पांच वर्षों की कार्य योजना बनाकर 'सर्वजन हिताय' आधारित समावेशी विकास का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि इस कार्य योजना के तहत भविष्य के लिए दस संकल्प निर्धारित किए गए हैं। इन संकल्पों में बुनियादी ढांचे का विकास करना और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर पर पहुंचाना भी शामिल हैं।

शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर बैंक ऑफ बड़ौदा तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ राज्य सरकार के दो एमओयू हस्ताक्षर करने के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। इन एमओयू के अनुसार बैंक ऑफ बड़ौदा अगले छह वर्षों यानी 31 मार्च 2030 तक, प्रति वर्ष 20 हजार करोड़ रूपये का ऋण प्रदान करेगा। इसके साथ ही, बैंक ऑफ महाराष्ट्र भी प्रति वर्ष 10 हजार करोड़ रूपये का ऋण उपलब्ध कराएगा। यह धनराशि राजस्थान सरकार की विभिन्न परियोजनाओं, विशेषकर आधारभूत ढांचा क्षेत्र जैसे बिजली एवं नवीकरणीय ऊर्जा, सड़क, पेयजल और स्वच्छता के लिए उपयोग में ली जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये हमारे लिए गर्व का विषय है कि बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र जैसे देश के प्रतिष्ठित बैंक अब राजस्थान की विकास यात्रा में भागीदार बनने जा रहे हैं।

हमारे प्रदेश के आधारभूत ढांचे को सशक्त करने की दिशा में बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ महाराष्ट्र का यह सहयोग एक बड़ा कदम है और आज का यह समझौता प्रदेश के बुनियादी ढांचे की मजबूती में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि बैंकों की व्यक्तिगत विकास तथा राज्य और देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। बैंकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आमजन को उनकी सेवाओं का अधिकतम लाभ मिले।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just
Rs.35,000/- + GST

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management
MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner AdWords Analytics Marketing Partner Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

मंदिर में ड्रेस कोड को लेकर हो आम सहमति, तभी हो बदलाव

केरल के मंदिरों में ड्रेस कोड के सुधार को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब शिवगिरी मठ के प्रमुख सच्चिदानंद स्वामी ने इसे जातिवाद का अवशेष बताया। समर्थकों ने इसे गैरब्राह्मण श्रद्धालुओं को बाहर रखने का उपाय बताया, जबकि कुछ परंपराओं के रक्षकों ने इसका विरोध किया। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सर्वसम्मति से बदलाव की अपील की।

केरल के मंदिरों में प्रवेश से जुड़े नियमों में सुधार का मसला एक बार फिर जोर पकड़ रहा है। इस बार चर्चा उस ड्रेस कोड को लेकर है जिसके मुताबिक कुछ मंदिरों में प्रवेश करते हुए पुरुष श्रद्धालुओं को बदन का ऊपरी हिस्सा निर्वस्त्र रखना पड़ता है।

विवाद शिवगिरी मठ के प्रमुख सच्चिदानंद स्वामी के उस बयान के बाद शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने इस प्रथा को जातिवाद का अवशेष बताते हुए इसे बंद करने का आह्वान किया। इसके बाद ही दोनों तरफ से धुआंधार बयानबाजी शुरू हो गई। जहां स्वामी के समर्थकों का कहना है कि इस प्रथा के पीछे गैरब्राह्मण श्रद्धालुओं को मंदिर से बाहर रखने की मंशा छिपी है, वहीं नायर सर्विस सोसाइटी (एनएसएस) जैसे संगठनों की दलील है कि मंदिर की परंपरा के साथ छेड़छाड़ करने का अधिकार किसी को नहीं है।

मिलता-जुलता सा एक विवाद 1982 में गुरुवायूर मंदिर परिसर में ब्राह्मण ऊट्टू (ब्रह्मभोज) के दौरान हुआ था, जब अपना ऊपरी बदन बगैर कपड़ों के रखने से इनकार कर रहे एक व्यक्ति के साथ भोजन परोस रहे लोगों ने मारपीट कर दी। उनके मुताबिक यह जानना जरूरी था कि वह व्यक्ति पांत में बैठे जनेऊधारियों की तरह ब्राह्मण है या नहीं। मंदिर की उस प्रथा को चुनौती देने वाले वह व्यक्ति थे स्वामी आनंदतीर्थन जो प्रसिद्ध समाज सुधारक श्रीनारायण गुरु के शिष्य थे और जातिगत भेदभाव के खिलाफ अपने अभियानों के लिए जाने जाते थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री के करुणाकरण ने उस मामले में तत्काल हस्तक्षेप किया। उसी स्थान पर एक भोज आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री समेत सभी समाज के लोग शामिल हुए। उसके बाद ब्राह्मण भोजन की वह परंपरा बंद हो गई। इस बार मौजूदा मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी सच्चिदानंद स्वामी की अपील का समर्थन किया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि कोई भी बदलाव सर्वसम्मति बनाकर ही किया जाना चाहिए। बात सही भी है। आम सहमति के बगैर किया गया बदलाव स्थायी नहीं होता।

वे योग्य राजनेता, कूटनीतिज्ञ, विचारक, और कवि थे। उनका पूरा जीवन न केवल भारतीय इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय हैं, बल्कि उनकी कविताएँ एवं कृतित्व आज भी हर भारतीय के दिल में उनकी यादों को जीवित रखते हैं।अटल जी की सम्मोहक वाणी, काव्य आत्मीयता और राष्ट्रहित के प्रति उनकी निष्ठा उन्हें युगपुरुष बनाती है।

वाजपेयी... भारत का वो 'रत्न' जो करोड़ों लोगों की प्रेरणा बन गया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

डॉ. अंकुश त्रिपाठी
स्वतंत्र टिप्पणीकार
@jagrukjanta.net

अटल बिहारी वाजपेयी न केवल एक श्रेष्ठ राजनेता और विचारक थे, बल्कि वे करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत भी हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि राजनीति केवल शासन का काम नहीं है, बल्कि सेवा और आदर्शों का माध्यम भी है।

अटल बिहारी वाजपेयी स्वतंत्र भारत के ऐसा व्यक्तित्व हैं, जिनकी जीवन यात्रा राजनीति से लेकर साहित्य तक और विचारधारा से लेकर काव्य तक, हर आयाम में प्रेरणादायक है। भारतीय राजनीति के इस दिव्य पुरुष ने ना केवल अपने कामों के माध्यम से देश को गौरवान्वित किया, बल्कि अपनी ओजस्वी कविताओं और मधुर भाषाशैली से लोगों के दिलों में अमिट छाप छोड़ी। वे बहुत बड़े ओहदे पर भी पहुंचकर शांतचित्त, निर्विकार, निर्द्वंद्व और उतने ही संवेदनशील बने रहे जितना कि उनका कवि हृदय पहले था। अपनी कविताओं के माध्यम से वे दूसरों को भी कहते हिदायतें देते हैं कि बड़े बन कर ठूंठ के जैसे खड़े होना अकेला हो जाना विकल्प नहीं है, उनके शब्दों में

जो जितना ऊंचा
उतना ही एकाकी होता है, हर भार स्वयं ही ढोता है।
चेहरे पर मुस्कानें चिपका मन ही मन रोता है
जरूरी यह है कि
ऊँचाई के साथ विस्तार भी हो जिससे मनुष्य
ठूँठ सा खड़ा न रहे, औरों से घुले मिले
किसी को साथ ले किसी के संग चले।

साल 1996 की 31 मई को उनकी सरकार को महज 13 दिन ही हुए थे, वह सदन का विश्वास हासिल करने में विफल रहे थे और उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। तब उनका ओजपूर्ण भाषण पूरे देश में चर्चित हुआ था। उन्होंने कहा था, देश आज संकटों से घिरा है और ये संकट हमने पैदा नहीं किए हैं, जब-जब कभी आवश्यकता पड़ी, संकटों के निराकरण में हमने उस समय की सरकार की मदद की है, सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी बिगड़ेंगी, मगर ये देश रहना चाहिए, इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए। उनकी सरकार गिर गई लेकिन उनमें हिम्मत बाकी थी, फिर वे ही अटल थे जिन्होंने 13 महीने और फिर 1999 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता के तौर पर 24 दलों के समर्थन से तीसरी प्रधानमंत्री बने और पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री रहे जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया। अटल सबके थे, सब उनके थे। विरोधी भी उनके अपने थे तभी तो जवाहरलाल नेहरू भी उनके भाषणों को सुनने के लिए उत्सुक रहते थे कारण, उनकी वाक्पटुता और हाजिरजवाबी। उनका कवि होना उनकी राजनीतिक यात्रा में बाधक नहीं बना बल्कि यह उन्हें शीर्ष पर के जाने का साधक साबित हुआ। वे साहित्य को अधिनायकवादियों तक पर अंकुश का एक असरदार माध्यम मानते थे। उनकी पुस्तक 'मेरी इक्यावन कविताएं' के सम्पादक डॉ. चन्द्रिकाप्रसाद शर्मा ने उनसे इसको लेकर सीधा सवाल भी किया था कि "साहित्यकार को राजनीति से कितना सरोकार रखना चाहिए?" तो अटल का स्पष्ट उत्तर था: "साहित्य और राजनीति के कोई अलग-अलग खाने नहीं हैं। जब कोई साहित्यकार राजनीति करेगा तो वह अधिक परिष्कृत होगी। यदि राजनेता की भूमि साहित्यिक है तो वह मानवीय संवदेनाओं को नकार नहीं सकता। कहीं कोई कवि यदि डिक्टेटर बन जाए तो वह निर्दोषों के खून से अपने हाथ नहीं रंगेगा। तानाशाहों में क्रूरता इसीलिए आती है कि वे संवेदनाहीन हो जाते हैं। एक साहित्यकार का हृदय दया, क्षमा, करुणा आदि से आपूरित रहता है, इसलिए वह खून की होली नहीं खेल सकता।"

अटल बिहारी वाजपेयी को अक्सर "सबका दोस्त" भी कहा जाता था। इस उपाधि के पीछे उनकी अजातशत्रु छवि थी। वह राजनीतिक विरोधियों के साथ वैचारिक असहमति के बावजूद उनके प्रति सम्मान बनाए रखते थे। संसद में उनके भाषण इसके सटीक उदाहरण हैं, जिनमें व्यंग्य का पुट होता था लेकिन कड़वाहट नहीं। राजनीति के इस दुर्लभ गुण ने उन्हें सभी के बीच लोकप्रिय बनाया।उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत को मजबूती से स्थापित किया। रूस, अमेरिका और एशियाई देशों के साथ संबंधों को मजबूत करते हुए उन्होंने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की दिशा में कार्य किया। यही कारण है कि वे न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी सम्मानित हुए। वे अपने भाषणों से गुदगुदाते थे, कभी गंभीर बना देते थे, कभी रोष से भर देते थे। उनका आकर्षण ऐसा था कि लोग एकटक बिनाशोरगुल किए उनको सुनते थे। उनको सुनने के लिए लोग बहुत दूर-दूर से आते थे। लखनऊ में डॉ. दिनेश शर्मा का चुनाव प्रचार करने वे आख़िरी बार 2006 में यहाँ आये थे और कपूरथला चौराहे पर रात में उनकी सभा हुई थी। उनको सुनने के लिए मैं अपने बड़े पिता जी के साथ स्कूटर से गया था। पूरा चौराहा खचाखच था, जगह नहीं मिली तो स्कूटर पर बैठकर ही उनका पूरा भाषण सुना। उस समय जो जहां था वहीं पर रुक कर उनको सुनने लगा था। ऐसा उनका आकर्षण था।

लखनऊ की इसी आख़िरी सभा में उन्होंने दिनेश शर्मा को मेयर के लिए चुनने के लिए लखनऊवसियों से हास्यविनोद भी किया था। उन्होंने सभा में आये लोगों से पूछा, 'अगर मैं केवल कुर्ता पहनूं और पायजामा न पहनूं, तो कैसा दिखूंगा?' अटल के इस सवाल पर जनता हैरत में थी कि दरअसल अटल क्या कहना चाहते हैं? इस बीच कोई चिल्लायाज्खराब दिखेंगे। इस पर अटल ने कहा, 'लखनऊ से सांसद का चुनाव जिताकर आप लोगों ने मुझे कुर्ता दिया। अब आपको मुझे नगर निगम मेयर चुनाव में जिताकर पायजामा भी देना चाहिए।' इस पर पूरी सभा ठहाकों से भर गई। ऐसा भी मौक़ा आया जब पोखरण में परमाणु परीक्षण हुआ और अमेरिका ने भारत पर कड़े प्रतिबंध लगाये। अटल निश्चिंत रहे उन्होंने संसद से दुनिया को ये साफ संदेश दिया कि ये भारत बदला हुआ भारत है, दुनिया से आंख मिलाकर और हाथ मिलाकर चलना चाहता है। किसी प्रतिबंध से झुकेगा नहीं और शांति और सुरक्षा के लिए परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा। इसका नतीजा रहा कि आज भारत की वैश्विक शक्ति और साख पूरी दुनिया में जो बढ़ी हुई है उसकी नींव अटल ने ही रखी थी। देश में सामाजिक न्याय, दूसरी संचार क्रांति, स्वर्ण चतुर्भुज एवं ग्रामीण सड़क योजना, सर्व शिक्षा अभियान, कारगिल लड़ाई में विजय जैसे अभियानों से देश को नई दिशा दी।

बारिश बदल रही है राजस्थान का चरित्र, छह मीटर बढ़ गया भू-जल स्तर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

राम शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

राजस्थान में इस साल हुई असामान्य बारिश भू-जल स्तर के लिए वरदान साबित हुई है। प्रदेश में इस साल हुई अधिक बारिश से सभी जिलों में भू-जल स्तर करीब छह मीटर बढ़ा है। राजस्थान के भू-जल विभाग की मॉनसून बाद यानी पोस्ट मॉनसून एसेसमेंट रिपोर्ट-2024 में यह आंकड़े सामने आए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार मॉनसून से पहले प्रदेश के सभी जिलों में औसतन 28.83 मीटर पर भूजल मिल रहा था, जो अब 23.01 मीटर हो गया है। यानी राजस्थान में भू-जल 5.82 मीटर ऊपर आया है। इस प्रारंभिक रिपोर्ट में अभी जिलेवार आंकड़े ही सामने आए हैं। विभाग के मुताबिक इन आंकड़ों के विश्लेषण के बाद जोनवार भी आंकड़े दिए जाएंगे। इससे पता चलेगा कि किस जोन में भू-जल कितना ऊपर आया है। इसी विश्लेषण के बाद डार्क जोन में भू-जल स्तर में कमी या बढ़ोतरी का पता चल सकेगा।

इस साल मॉनसून सीजन में राजस्थान के 50 में से 27 जिलों में असामान्य बारिश दर्ज की गई थी। 15 जिलों में अधिक और 8 जिलों में सामान्य बारिश हुई थी। किसी भी जिले में सामान्य से कम या सूखा दर्ज नहीं किया गया। राजस्थान में असामान्य बारिश का मतलब सामान्य (417.46 एमएम) से 60% या इससे अधिक बारिश होने से है। रिपोर्ट के मुताबिक चूरू को छोड़कर बाकी सभी जिलों में भू-जल स्तर बढ़ा है। चूरू जिले में सामान्य से अधिक बारिश होने के बावजूद -0.19 मीटर भू-जल स्तर कम हुआ है। वहीं, सबसे ज्यादा भूजल स्तर में बढ़ोतरी चित्तौड़गढ़ जिले में 14 मीटर दर्ज हुई है। इसके बाद सवाईमाधोपुर में 13.32 मीटर, बूंदी 11.50 मीटर, भीलवाड़ा 10.89 मीटर, डूंगरपुर 9.96, प्रतापगढ़ 9.96, अलवर 9.87, बारां 9, कोटा 8.23 और बांसवाड़ा में 6.68 मीटर वृद्धि हुई है। राजधानी जयपुर में भी भूजल स्तर में 4.70 मीटर का सुधार हुआ है।

राजस्थान भूजल विभाग ने मॉनसून की बारिश के बाद भू-जल के आंकड़े सार्वजनिक किए हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक इस साल पश्चिमी राजस्थान यानी रेगिस्तानी जिलों में भी असामान्य यानी सामान्य से 60% या अधिक बारिश हुई थी। इनमें बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर और जोधपुर शामिल हैं। जालोर में इस साल सामान्य यानी औसत बारिश से 20-59% ज्यादा बारिश हुई थी। ज्यादा बारिश की वजह से जैसलमेर में मॉनसून से पहले जहां ग्राउंड वाटर की उपलब्धता 49.79 मीटर पर थी। अब यह 2.50 मीटर कम होकर 47.29 मीटर पर है। वहीं, बाड़मेर में भू-जल स्तर 1.73 मीटर, बीकानेर में 0.81 मीटर, जोधपुर में 1.51 मीटर बढ़ा है। साथ ही सामान्य बारिश वाले जालोर जिले में ग्राउंड वाटर लेवल 2.31 मीटर बढ़ा है।

जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण पर काम करने वाले गैर सरकारी संगठन डाउन-टू-अर्थ ने राजस्थान के जल संसाधन विभाग की ओर से जारी किए मॉनसून के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इसके मुताबिक इस साल एक जून से एक अक्टूबर तक प्रदेश में औसत से 63 फीसदी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। सीजन में सबसे ज्यादा बारिश करौली जिले में 1931 एमएम दर्ज हुई। वहीं, मानसून सीजन में एक दिन में सबसे ज्यादा बारिश भी 11 अगस्त 2024 को करौली में ही हुई। जिले में जहां मॉनसून से पहले ग्राउंड वाटर लेवल 32.69 मीटर पर था, सीजन के बाद यह 6.20 मीटर बढ़कर 26.49 मीटर हो गया।

राजस्थान में ग्राउंड वाटर की स्थिति काफी चिंताजनक हालात में है। प्रदेश में भू-जल के 299 ब्लॉक हैं। अत्यधिक दोहन और रिचार्ज की सही व्यवस्था ना होने के कारण मॉनसून से पहले इनमें से सिर्फ 38 यानी सिर्फ 12% ब्लॉक ही सुरक्षित बचे थे। इनमें से 88% ब्लॉक क्रिटिकल, सेमी क्रिटिकल और अत्यधिक दोहित हैं। पिछले तीन दशक में भू-जल का दोहन 114% तक बढ़ा है। साल 2023 में राजस्थान में भू-जल का 149 फीसदी दोहन किया गया है। यह आंकड़ा 1984 में 35% था। साल 1995 में 58%, 2004 में 125%, 2013 में 139%, 2020 में 150% और 2023 में 149% पानी का दोहन

सटीक मारवाड़ी कहावत

हरिओम गर्ग
पत्रकार
@jagrukjanta.net

चेहरे पर दाद, जीभ रो स्वाद,
दम री बीमारी,
दो नावाँ री सवारी....
फोड़ा घणा घाले।

अणजाण्यो संबन्ध,
मुँह री दुर्गन्ध,
पुराणों जुकाम,
पैसा वाळा नें 'नाम'....
फोड़ा घणा घाले।

घटिया पाड़ोस,
बात बात में जोश,
कु ठोड़ दुखणियो,
जबान सुं फुरणियो....
फोड़ा घणा घाले।

ओछी सोच, पग री मोच,
कोढ़ मे खाज,
"मूरखां रो राज" ....
फोड़ा घणा घाले।

मुंह लगैड़ी साळी,
सडक पै लटकती डाळी,
घर में राखैडो साळो,
पडोसियां कानै आळौ...
फोडा घणा घालै!!

कम पूंजी रो व्यापार,
घणी देयोड़ी उधार,
बिना विचारों काम,
फसलां रौ थौडों दाम ....
फोड़ा घणा घाले !

फाट्योडो नोट
मुर्ख न सपोर्ट
नियत मे खोट,
बिना सोच्या दियोडो वोट
फोड़ा घणा घालै।

थोथी हथाई,
पाप री कमाई,
उळझोड़ो सूत,
माथे चढ़ायोड़ो पूत....
फोड़ा घणा घाले।

झूठी शान,
अधुरो ज्ञान,
घर मे कांश,
मिरच्यां री धांस....
फोड़ा घणा घाले।

बिगड़ोडो ऊंट,
भीज्योड़ो ठूंठ,
हिडकियो कुत्तो,
पग मे काठो जुत्तो....
फोड़ा घणा घाले।

दारू री लत,
टपकती छत,
उँधाले री रात,
बिना रुत री बरसात....
फोड़ा घणा घाले।

कुलखणी लुगाई,
रुळपट जँवाई,
चरित्र माथे दाग,
चिञाणियो सुहाग....
फोड़ा घणा घाले।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

उनके संबंध से गुण और दोष की तो कल्पना ही नहीं की जा सकती। फिर भी विश्व की सृष्टि और संहार करने के लिए समय-समय पर वे उन्हें अपनी माया से स्वीकार करते हैं। वे अरूप होने पर भी बहुरूप हैं। उनके कर्म अत्यंत आश्चर्यजनक हैं। वे मन वाणी और चित्त से अत्यंत दूर हैं। विवेकी पुरुष कर्म संन्यास अथवा कर्म समर्पण द्वारा अपना अंतःकरण शुद्ध करके उनको प्राप्त करते हैं। वे नित्य मुक्त परमानंद एवं ज्ञान स्वरूप हैं। वे सत्व, रज, तम इन तीन गुणों का धर्म स्वीकार करके क्रमशः शान्त, घोर और मूढ़ अवस्था भी धारण करते हैं। वे सबके स्वामी, समस्त क्षेत्रों के ज्ञाता एवं सर्वसाक्षी हैं। पुरुष और मूल प्रकृति रूप में वे ही हैं। वे समस्त इन्द्रिय और उनके विषयों के दृष्टा हैं, समस्त प्रतीतियों के आधार हैं। अहंकार आदि छाया रूप असत् वस्तुओं द्वारा उनका ही अस्तित्व प्रकट होता है। समस्त वस्तुओं की सत्ता के रूप में भी वे भास रहे हैं। वे सबके मूल कारण हैं, उनका कोई कारण नहीं है। कारण होने पर भी उनमें विकार या परिणाम नहीं होता। जैसे समस्त नदी, झरने आदि का परम आश्रय समुद्र है, वैसे ही उन्होंने अपने ज्ञान को गुणों की माया से ढक रखा है। गुणों में क्षोभ होने पर उनके द्वारा विविध प्रकार की सृष्टि रचना का आप संकल्प करते हैं। समस्त प्राणियों के हृदय में अपने अंश द्वारा अंतरात्मा के रूप में आप ही हैं। **क्रमशः**

ओपिनियन : 144 वर्ष बाद प्रयागराज में ही मनाया जाता है पूर्ण महाकुंभ

12 वर्ष में कुंभ और 144 वर्ष में महाकुंभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पं. अतुल शास्त्री
ज्योतिष गुरू
@jagrukjanta.net

महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का जीवंत संगम है, जो लोगों को अपनी आस्था को पुनः जागृत करने और ईश्वर के निकटता का अहसास दिलाने का अवसर प्रदान करता है। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का यह आयोजन सभी श्रद्धालुओं के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बनने जा रहा है, जो आस्था, एकता और श्रद्धा के इस अद्वितीय पर्व में भाग लेकर आत्मिक शांति का अनुभव करायेगा।इस बार तो 144 बर्ष पूर्ण करके प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होंगी 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा स्नान के साथ होगी, और इसका समापन 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान के साथ होगा। कुंभ मेले में, पहले स्नान का नेतृत्व संतों द्वारा किया जाता है, जिसे कुंभ के शाही स्नान के रूप में जाना जाता है और यह सुबह 3 बजे शुरू होता है।संतों के शाही स्नान के बाद आम लोगों को पवित्र नदी में स्नान करने की अनुमति मिलती है।हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह माना जाता है कि जो इन पवित्र नदियों के जल में डुबकी लगाते हैं, वे अनंत काल तक धन्य हो जाते हैं. यही नहीं, वे पाप मुक्त भी हो जाते हैं और उन्हें मुक्ति के मार्ग की ओर ले जाता है।भारत में यह मेला बहुत अनूठा है जिसमें पूरी दुनिया से लोग आते हैं और पवित्र नदी में स्नान करते हैं।इसका अपना ही धार्मिक महत्व है और यह संस्कृति का भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है. यह मेला लगभग 48 दिनों तक चलता है. मुख्य रूप से दुनिया भर से साधू, संत, तपस्वी, तीर्थयात्री, इत्यादि भक्त इसमें भाग लेते हैं।कुंभ मेला दो शब्दों कुंभ और मेला से बना है। कुंभ नाम अमृत के अमर पात्र या कलश से लिया गया है जिसे देवता और राक्षसों ने प्राचीन वैदिक शास्त्रों में वर्णित पुराणों के रूप में वर्णित किया था। मेला, जैसा कि हम सभी परिचित हैं, एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है 'सभा' या 'मिलना'।हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, कुंभ मेला 12 वर्षों के दौरान चार बार मनाया जाता है। कुंभ मेले का आयोजन 4 तीर्थ स्थलों में होता है। ये स्थान हैं: उत्तराखंड में गंगा नदी पर हरिद्वार, मध्य प्रदेश में शिप्रा नदी पर उज्जैन, महाराष्ट्र में गोदावरी नदी पर नासिक और उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना और सरस्वती तीन नदियों के संगम पर प्रयागराज। कुंभ मेले का पहला लिखित प्रमाण भागवत पुराण में उल्लिखित है। साथ ही, समुंद्र मंथन के बारे में भागवत पुराण, विष्णु पुराण, महाभारत और रामायण में भी उल्लेख किया गया है।साथ ही इसके बारे में जो प्राचीनतम वर्णन मिलता है वह सम्राट हर्षवर्धन के समय का है,ऐसा माना जाता है कि शंकराचार्य ने इसकी शुरुआत की थी और कुछ कथाओं के अनुसार कुंभ की शुरुआत समुद्र मंथन से ही हो गई थी। आइये समुद्र मंथन से जुड़ी हुई जानकारी के बारे में जानते हैं।ऐसा कहा जाता है कि महर्षि दुर्वासा के श्राप के कारण जब इंद्र और देवता कमजोर पड़ गए, तब राक्षस ने देवताओं पर आक्रमण करके उन्हें परास्त कर दिया था।ऐसे में सब देवता मिलकर विष्णु भगवान के पास गए और सारा व्रतांत सुनाया। तब भगवान ने देवताओं को दैत्यों के साथ मिलकर समुद्र यानी क्षीर सागर में मंथन करके अमृत निकालने को कहा। ये दूधसागर ब्रह्मांड के आकाशीय क्षेत्र में स्थित है।सारे देवता भगवान विष्णु जी के कहने पर दैत्यों से संधि करके अमृत निकालने के प्रयास में लग गए। जैसे ही समुद्र मंथन से अमृत निकला देवताओं के इशारे पर इंद्र का पुत्र जयंत अमृत कलश लेकर उड़ गये। इस पर गुरु शंकर के कहने पर दैत्यों ने जयंत का पीछा किया और काफी परिश्रम करने के बाद दैत्यों ने जयंत को पकड़ लिया और अमृत कलश पर अधिकार जमाने के लिए देव और राक्षसों में 12 दिन तक भयानक युद्ध चला रहा। ऐसा कहा जाता है कि इस युद्ध के दौरान पृथ्वी के चार स्थानों पर अमृत कलश की कुछ बूंदे गिरी थी। जिनमें से पहली बूंद प्रयाग में, दूसरी हरिद्वार में, तीसरी बूंद उज्जैन और चौथी नासिक में गिरी थी? इसीलिए इन्हीं चार जगहों पर कुम्भ मेले का आयोजन किया जाता है?। अतुल शास्त्री ने बताया कि देवताओं के 12 दिन, पृथ्वी पर 12 साल के बराबर होते हैं।इसलिए हर 12 साल में महाकुम्भ का आयोजन किया जाता है। अर्द्ध कुम्भ का आयोजन 6 वर्ष और पूर्ण कुम्भ का आयोजन 12 वर्षों के बाद किया जाता है. यह मेला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक और संस्कृति का प्रतीक है. कुम्भ मेला 48 दिनों तक चलता है। किस स्थान पर कुंभ मेले का आयोजन किया जाएगा यह राशियों पर निर्भर करता है कुंभ मेले में सूर्य और बृहस्पति का खास योगदान माना जाता है। सारे नवग्रहों में से सूर्य, चंद्र, गुरु और शनि की भूमिका कुंभ में महत्वपूर्ण मानी जाती है। जब अमृत कलश को लेकर देवताओं और राक्षसों के बीच युद्ध चल रहा था तब कलश की खींचा तानी में चंद्रमा ने अमृत को बहने से बचाया, गुरु ने कलश को छुपाया था, सूर्य देव ने कलश को फूटने से बचाया और शनि ने इंद्र के कोप से रक्षा की।

जागरूक जनता Selfie विद सिस्टर

हर्विका, आरना मिश्रा, जयपुर

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 08/01/2025

सूर्योदय : 07:21 **सूर्यास्त :** 17:45 **चन्द्रोदय :** 12:49 **चन्द्रास्त :** 01:26 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना :** पौष **पूर्णिमांत :** पौष **सूर्य राशि :** धनुचन्द्र **राशि :** मेष **चन्द्रमास पौष :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2081 पिङ्गल **पौष :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2081 नल **प्रविष्टे/गते :** 25 **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :नवमी,** 14:25 तक **वार :** बुधवार

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : अश्विनी, 16:28 तक
योग : सिद्ध, 20:16 तक
प्रथम करण : कौवाला, 14:25 तक
द्वितिय करण : तैतिल, 25:24 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:26 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:54 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:12 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:38 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:41 पी एम से
अमृत काल	09:41 ए एम से
निशिता मुहूर्त	12:1 ए एम, जनवरी 9 से
रवि योग	पूरे दिन

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पूर्व
कुंभ चक्र: दक्षिण-पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 07:20 - 08:38	उद्वेग	: 17:45 - 19:26
अमृत	: 08:38 - 09:56	शुभ	: 19:26 - 21:08
काल काल वेला	: 09:56 - 11:14	अमृत	: 21:08 - 22:50
शुभ	: 11:14 - 12:32	चर:	22:50 - 00:32
रोग वार वेला	: 12:32 - 13:50	रोग	: 00:32 - 02:14
उद्वेग	: 13:50 - 15:08	काल	: 02:14 - 03:56
चर	: 15:08 - 16:26	लाभ	: 03:56 - 05:38
लाभ	: 16:26 - 17:45	उद्वेग	: 05:38 - 07:20

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज नवमी

आज कौन सा कार्य करें

नवमी रिक्ता तिथि है इसलिए इस दिन कोई भी नया, मांगलिक कार्य वर्जित है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

पौष, शुक्ल, नवमी, 2081 बुधवार, 8 जनवरी - 18 जनवरी, 2025

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

कार्यों में पारदर्शिता हो प्रथम, निर्माण स्थल पर लापरवाही पर होगी कार्यवाही-डॉ. रश्मि

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। आवासन आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा ने मंगलवार को वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अधिक से अधिक काम ऑनलाइन कर कार्य में पारदर्शिता लायी जाए। उन्होंने अधिकारियों को मण्डल की कार्यप्रणाली को अधिकाधिक ऑनलाइन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की आज के समय में ऑनलाइन सेवाएँ उपलब्ध करवाना अति आवश्यक है इनके आभाव में कार्यों में तेजी एवं पारदर्शिता लाना कठिन है।

इस बैठक में भूमि बैंक, महत्वपूर्ण न्यायालयीन मामले, जलापूर्ति, सीवर लाइन, सड़कें, स्ट्रीट लाइट, डीएलपी कार्य, वृक्षारोपण अभियान और आगामी "बुधवार नीलामी उत्सव" में अधिशेष संपत्तियों को शामिल करने की तैयारियों जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर समीक्षा व गहन चिंतन किया गया । डॉ शर्मा ने कहा की निर्माण स्थल पर बचाव और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण स्थल पर निर्माण कार्य शुरू होने से पहले वहाँ बोर्ड लगाया जाए, बैरिकेडिंग कर रिफ्लेक्टर लगाये जाए जिस से की वहाँ किसी प्रकार का कोई हादसा ना हो। इसमें किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।

डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को भूमि बैंक को मजबूत करने के लिए उपलब्ध भूमि संसाधनों की पहचान और दस्तावेज़ीकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियंता फील्ड में जाकर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अविलंभ जमीनों के प्रस्ताव तैयार करें। पारदर्शिता बनाए रखने और अतिक्रमण को रोकने के लिए आवासन आयुक्त ने क्षेत्र में मंडल की सभी जमीनों पर बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए।

आवासन आयुक्त ने परियोजनाओं में जलापूर्ति एवं सीवर लाइन की कार्य प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा की किसी भी योजना के निर्माण कार्य के आरंभ होने से पहले ही सीवर लाइन तथा जलापूर्ति संबंधी प्लानिंग की जाए। इसके साथ ही उन्होंने हस्तांतरण की जा चुकी परियोजनाओं में भी नियमानुसार रखरखाव के निर्देश दिए।

सहकारिता मंत्री ने गोपाल क्रेडिट कार्ड एवं शिक्षा ऋण योजनाओं के चेक वितरित किए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन विभाग गौतम कुमार दक ने बांसवाड़ा जिला स्थित गढ़ी और तलवाडा में आयोजित कार्यक्रम में बाँसवाड़ा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि. बाँसवाड़ा के गोपाल क्रेडिट कार्ड और शिक्षा ऋण योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरित किए।

गौतम कुमार दक ने कहा कि यह योजनाएं किसानों और विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बनाई गई हैं। गोपाल क्रेडिट कार्ड के तहत किसानों को गोपालन के लिए ब्याज मुक्त ऋण मिलेंगे, जो उनके आर्थिक बोझ को कम करेगा। वहीं, शिक्षा ऋण योजना के माध्यम से छात्र अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे, जो उनके उज्जवल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करना है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग इन योजनाओं से लाभान्वित हो सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। मंत्री दक ने अधिकारियों से इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की।

विभाग के कर्मचारियों द्वारा माही पुल पर सहकारिता मंत्री की अगवानी की गयी तत्पश्चात उन्होंने अधिकारियों से सहकारिता विभाग के अन्तर्गत किये जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की गयी। मंत्री द्वारा सागवाडिया, गढ़ी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान गोपाल क्रेडिट कार्ड के लाभार्थियों को चेक वितरित किये गये। इसके पश्चात् उन्होंने माता त्रिपुरा सुंदरी के दर्शन किये तथा बाद में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा ऋण के दो लाभार्थीयो को 10-10 लाख के एंव गोपाल क्रेडिट कार्ड के दो लाभार्थियों को 50-50 हजार के चैक वितरित किये गयें। सहकारिता विभाग, बैंक एवं वृहत कृषि बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के समस्त कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधि, किसान, छात्र और उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे। चेक वितरण के पश्चात् लाभार्थियों ने सरकार के इस प्रयास की सराहना की और उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक मोड़ बताया। मंत्री गौतम कुमार दक ने इस मौके पर यह भी कहा कि आगामी समय में ऐसे और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें और समाज में समृद्धि का वातावरण बने।

सुश्री श्रीधरी दीदी द्वारा भक्ति दिवस का जयपुर में आयोजन

समस्त अपराधों की क्षमा माँगना ही भक्ति-दिवस मनाने का वास्तविक तात्पर्य है-श्री हरिदीदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जगदुरु श्री कृपालु जी महाराज की शिष्या सुश्री श्रीधरी दीदी द्वारा भक्ति दिवस का जयपुर में आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरि गुरु की भव्य महाआरती के साथ हुआ। श्रीधरी दीदी द्वारा भक्ति दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ये बताया गया कि जगदुरु कृपालु जी महाराज द्वारा किये गए नामकरण 'भक्ति दिवस' से अधिक सार्थक नामकरण इस दिवस का और कोई नहीं हो सकता क्योंकि ये भक्ति का संकल्प लेने का ही दिन है। पिछले वर्ष किये गये समस्त अपराधों की क्षमा माँगना, पुनः उन अपराधों को न दोहराने की प्रतिज्ञा करना एवं पतितपावन हरि गुरु के अनंत दिव्य गुणों का चिंतन करते हुए नए उत्साह व आशा के साथ उनके शरणागत होने का संकल्प लेना ही भक्ति-दिवस मनाने का वास्तविक तात्पर्य है। इसके बाद संकीर्तन में उन्होंने हरि गुरु सेवा रहस्य पर प्रकाश डाला। पश्चात दीदी द्वारा समस्त विश्व समुदाय को भक्ति दिवस एवं नववर्ष की बधाई दी गयी। भोजन प्रसादी के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। ट्रस्ट सेक्रेट्री शरद गुप्ता ने बताया की भक्ति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष सत्संग कार्यक्रम में जयपुर, दौसा, लालसोट, बयावर के सैंकड़ो साधक एवं ट्रस्ट के मुख्य पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

परंपरागत जलस्त्रोतों का जीर्णोद्धार कर अधिक से अधिक जल का करें संचय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पंचायती राजमंत्री मदन दिलावर ने कहा कि परंपरागत जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार कर अधिक से अधिक जल का संचय करें। दिलावर शिक्षा संकुल में आयोजित जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि परंपरागत जल स्त्रोतों बावड़ी, तालाब, कुंड, खड़ीन, जोहड़ आदि का पुनः सर्वे कर चिन्हित करने के कार्य को अभियान के रुप में लें। साथ ही इनमें पानी की आवक के रास्ते बनाने, नियमित साफ–सफाई करने जैसे कार्य इसी वित्तीय वर्ष में करने के निर्देश दिए। विभाग के कार्यों के संचालन के लिए बनाई गई कमेटियों को क्रियाशील करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने डिग्गी-मालपुरा में तालाब की डीपीआर शीघ्र बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसके अलावा भी बड़े गड्ढों को तालाब के रूप में परिवर्तित किया जाय ताकि जल का ज्यादा से ज्यादा संग्रहण किया जा सके। नदियों के किनारे भूमि कटाव को भी रोका जाय। उन्होंने विभाग द्वारा बनाये 75 अमृत सरोवर, 863 एनीकट की विस्तार से जानकारी ली।

विधायक हवामहल बालमुकुंदाचार्य ने किया कार्य प्रारम्भ

जयसिंहपुरा खोर में बनेगी 5 करोड़ की सीसी सड़के

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हवामहल विधानसभा के वार्ड 13 जयसिंहपुरा खोर की श्याम नगर, अजय वाटिका, विजय वाटिका, गुलाबी नगरी, आशीष विहार, आरती नगर एवं राम विहार में सीसी सड़क के कार्य का शुभारंभ विधायक हवामहल स्वामी बालमुकुन्दाचार्य महाराज ने किया। स्वामी बालमुकुन्दाचार्य ने बताया कि वार्ड 13 की उक्त कालोनियों में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत 170 लाख रुपए की राशि से लगभग 2.50 किलोमीटर सीसी सड़क का निर्माण किया जाएगा। साथ ही वार्ड 14 में भी 2.50 किलोमीटर सड़क का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

इस अवसर पर भाजपा जलमहल मंडल अध्यक्ष कैलाश जांगिड, पार्षद सुरेश सैनी पार्षद, युवा मोर्चा मंडल महामंत्री प्रकाश सैनी युवा मोर्चा उपाध्यक्ष राज सैनी मंडल उपाध्यक्ष कैलाश चंद सैनी वार्ड संयोजक ललित किशोर सैनी राम प्रसाद सिंगोदिया राकेश कुमार शर्मा अधिवक्ता सुरेश कुमार पारीक कृष्ण कुमार सैनी दीपक धामेंजानी, रवि रिंकू सैनी, चंदू सैनी, मनीष हीरालाल, ज्ञान गुप्ता और सैकड़ो कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे वार्ड में चल रहे सभी विकास कार्यों के लिए सभी ने महाराज जी का आभार व्यक्त किया एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वार्ष्णेय स्पोर्ट्स क्लब की 5वीं खेल प्रतियोगिता आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। वार्ष्णेय स्पोर्ट्स क्लब द्वारा पांचवी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बैडमिंटन, चेस, लेमन स्पून रेस, बॉस कि केट, म्यूजिकल चेयर, रस्सा खींची, कैरम इत्यादि खेल मे महिला/बच्चे/ पुरूष ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत बैडमिंटन में विजय सिंह भाम्भू, गृह रक्षा पुलिस, DIG एवं अमित शर्मा डिप्टी कंट्रोलर जिला कलेक्टर द्वारा की गई। खेल में सभी विजेता को पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्य खेल सचिव कमल गुप्ता, खेल सचिव मुकुल वार्ष्णेय एवं आदर्श गुप्ता ने खेल आयोजन की व्यवस्था की। सांस्कृतिक कार्यक्रम विजय गुप्ता द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वार्ष्णेय स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष डॉक्टर मुकेश गुप्ता एवं पद्मावती गुप्ता, डॉक्टर विनोद गुप्ता, डॉ अनिल गुप्ता दीप हॉस्पिटल, संजय वार्ष्णेय, विक्रम गुप्ता, के पी गुप्ता, नीरज वार्ष्णेय, गिरीश गुप्ता, विक्रम गुप्ता, विनय कुमार गुप्ता, संजीव वार्ष्णेय एवं समस्त वार्ष्णेय परिवार उपस्थित रहे, खेल के अंत सभी को पोष बड़ा एवं भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई।

निःशुल्क इलेक्ट्रोपैथी शिविर आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। जगदंबा माते श्वरी मंदिर समिति द्वारा डॉ हेमंत सेठिया की अध्यक्षता में निःशुल्क इलेक्ट्रोपैथी शिविर का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा जी रहीं । शिविर में लगभग 315 लोगों ने निःशुल्क जांच व निःशुल्क दवा का लाभ लिया। इस अवसर पर राजेश पोद्दार,अशोक जिंदल,दीनदयाल नाटाणी,ताराचंद शर्मा, ओम सिंह, राकेश अग्रवाल, पार्षद रूप कंवर, पार्षद प्रेमदेवी शर्मा, पार्षद सुमन गुप्ता राजवंशी, मनोज शर्मा, अजय यादव, हरिओम सिंह, सतीश जागा, रवि शंकर शर्मा, कपिल, योगेश व मंदिर समिति से नवरत्न सिंह व मुकुल सिंह, देवेंद्र चौहान, सुरेन्द्र सामेर, रामरतन सैनी व शेखर शर्मा उपस्थित रहे।

वार्ष्णेय स्पोर्ट्स लीग में विजेता सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री वार्ष्णेय वैश्य स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स लीग प्रतियोगिता में विजेताओं को मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियाबास ने पुरस्कृत किया। क्लब के अध्यक्ष डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में क्रिकेट, बैडमिंटन, कैरम, चैस, रस्साकसी, कबड्डी, म्यूजिकल चेयर, नीबू स्पून रेस आदि गेम कराए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में आपस में मेलजोल बढ़ता है तथा सामाजिक सौहार्द बढ़ता है। इस अवसर पर पदमावती गुप्ता, डॉ विनोद गुप्ता, डॉ अनिल गुप्ता, संजय वार्ष्णेय, विक्रम गुप्ता, विनय गुप्ता, कालीचरण गुप्ता, नीरज वार्ष्णेय, कमल गुप्ता,मुकुल गुप्ता, गिरीश गुप्ता,के पी गुप्ता, आदर्श गुप्ता, केशव गुप्ता, पुष्पा मंगल सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

द आरसीए बनी एसआर अंडर 14 क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता

जयपुर @ जागरूक जनता। दिवित (47) और कुश (58) की बल्लेबाजी और मुकुल के 3 विकेट ने द आर सी ए टीम को एस आर सैनी अंडर 14 टूर्नामेंट का विजेता बनाया। द आर सी ए एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुवे 215/3 का लक्ष्य दिया। जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 195/6 पर पारी समाप्त की। मुख्य अतिथि रहे राजस्थान रणजी ट्रॉफी टीम के पूर्व कप्तान और तेज गेंदबाज राजीव राठौर ने बच्चों की हौसला अफजाई की। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज आर्यन चौधरी, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज नैतिक व मैन ऑफ द सीरीज रयान रहे। विजेता टीम ने जीत का श्रेय कोच राजेंद्र रुलानियां को दिया।

कुंभ में मंगलमुखी हनुमान मंदिर लगायेगा अन्न क्षेत्र

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर नया खेड़ा श्री मंगलमुखी हनुमान मंदिर आश्रम के द्वारा अखिल भारतीय श्री पंच तेरह भाई त्यागी खालसा एवं मंगलमुखी श्री हनुमान मंदिर अन्न क्षेत्र के लिए खाद सामग्री दवाइयां आदि महाकुंभ 2025 में लगने वाला सामग्री महामंडलेश्वर योगीराज रघुवीर दास महाराज द्वारा दो बड़े ट्रक रवाना किये गए।महंत रामानंद दास महाराज द्वारा कुम्भ में अन्न क्षेत्र संचालित किया जाएगा।भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री मुकुल सिंह साँचोरा महंत श्री हरि शंकर दास वेदांती,राम प्रसाद दास महाराज, डॉ राम प्रकाश दास महाराज,महंत रामानंद दास महाराज पुजारी राम लोचन दास राम गोपाल दास महाराज,सत्यम शास्त्री महाराज,सौरभ शर्मा, हिमांशु तिवारी ,शिवम तिवारी,पूरण सिंह राम अवतार तांबी, बाबू लाल गुप्ता पूरण गुप्ता,रामु ठाकुर आदि सेवक उपस्थित रहे।

एक्ट्रेस महिमा चौधरी बनीं रिलायंस सीपीवीसी पाइप्स की ब्रांड एंबेसेडर

RELINS PIPES

जयपुर @ जागरूक जनता। मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस महिमा चौधरी को रिलायंस सी पी वी सी पाइप्स का नया ब्रांड एंबेसेडर बनाया है। रिलायंस पाइप्स एंड फिटिंग्स लिमिटेड के डायरेक्टर अरविन्द बजाज ने बताया कि कंपनी ने पिछले दिनों अपना रिलायंस पेंट्स मार्केट में लॉन्च किया था। अब कंपनी बॉलीवुड एक्ट्रेस महिमा चौधरी को नया ब्रांड एंबेसेडर बनाकर अपना प्रॉडक्ट पूरे भारत में स्पेंड करना चाहती हैं। कंपनी के डायरेक्टर अरविन्द बजाज ने बताया कंपनी के पास सीपीवीसी पाइप्स और यूपीवीसी पाइप्स एंड फिटिंग्स तीन बाई चार से दो इंच तक की विस्तृत रेंज उपलब्ध है।

मातृ शक्ति का सम्मान, सबसे बड़ी पूजा

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवानानी ने किया महिलाओं का सम्मान, ओढ़ाई चुनरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि मातृ शक्ति का सम्मान सबसे बड़ी पूजा है। कोई भी संस्कृति तभी ही आगे बढ़ सकती है। जब वह महिलाओं का सम्मान कर सके, उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान कर सकें। भारत की सनातन संस्कृति ने सदैव महिलाओं का आदर किया है। भारत की संस्कृति में महिलाओं को सदैव अग्रणी एवं पूज्य माना गया है।

देवनानी ने लोहागल गांव में आयोजित महिलाओं के सम्मान समारोह में भाग लिया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं का चुनरी ओढ़ा कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री देवनानी ने कहा कि विश्व में उन्हीं संस्कृतियों ने विकास किया है। जिन्होंने महिलाओं का सम्मान एवं उन्हें अवसरों की समानता दी। किसी भी संस्कृति के विकास में महिलाओं का सर्वाधिक योगदान होता है। हमें हमारे पुरखों से सीख लेकर महिलाओं को यथाशक्ति सम्मान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति सदैव से महिलाओं पर आधारित एवं केन्द्रित रही है। भारतीय ग्रन्थों में महिलाओं के सम्मान में बहुत सारी रचनाएं की गई हैं। भारत की संस्कृति में महिलाएं हमेशा से ही केन्द्र बिन्दु एवं सम्मानित व अभिनंदनीय रही हैं। भारतीय युवाओं को प्राचीन संस्कृति से सीख लेकर इस विरासत को और आगे ले जाना होगा। वर्तमान में देश की राष्ट्रपति से लेकर प्रमुख पदों पर महिलाएं है। युवाओं को अपनी माताओं, बहनों की क्षमता व शक्ति पर गर्व करना चाहिए।

देवनानी ने कहा केन्द्र व राज्य सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं लागू की है। हमें इनका लाभ लेना चाहिए। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य अरूणा टांक सहित बड़ी संख्या में मातृ शक्ति उपस्थित रही।

बर्ड पार्क निःशुल्क देख सकेंगे स्कूली विद्यार्थी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। पक्षियों के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस बर्ड फेस्टिवल के तहत वन विभाग ने नवाचार शुरू किया है। इसके तहत 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए बर्ड पार्क का भ्रमण निशुल्क रहेगा। यह छूट बुधवार से लागू होगी, जो बर्ड फेस्टिवल की समाप्ति तक जारी रहेगी। यानी पूरे 12 दिन तक स्कूली विद्यार्थी बर्ड पार्क में निशुल्क घूम सकेंगे। इस दौरान यहां मौजूद वनकर्मी विद्यार्थियों को पक्षी प्रजातियों के बारे में जानकारियां देंगे। उपवन संरक्षक (वन्यजीव) देवेन्द्र कुमार तिवारी के अनुसार पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण में नई पीढ़ी का योगदान हो, इसके लिए विद्यार्थियों को उनके बारे में जानकारी होना चाहिए। इसी उद्देश्य से अभी से उनके लिए बर्ड पार्क का भ्रमण निशुल्क किया जा रहा है।

बर्ड पार्क में मौजूद पक्षी प्रजातियों के बारे में जानकार उनमें पक्षियों के प्रति रूचि बढ़ती है तो वे आगामी 16 से 19 जनवरी तक आयोजित होने वाले बर्ड फेस्टिवल की विभिन्न गतिविधियों में भी भाग ले सकेंगे। बर्ड पार्क में तैनात स्टाफ को इसके लिए विशेष रूप से निर्देश जारी किए गए हैं कि वे विद्यार्थियों को पक्षियों के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध कराएं।

नेचर लिटरेरी फेस्टिवल में विशेषज्ञ देंगे सवालों के जवाब

बर्ड फेस्टिवल के तहत 17 जनवरी को तीन सत्रों में नेचर लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जाने माने पक्षी विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे और साथ ही प्रतिभागियों के सवालों के जवाब भी देंगे। इसमें पक्षी विशेषज्ञ अरशद रमानी, आनन्दो बनर्जी एवं पद्मश्री श्याम सुंदर पालीवाल प्रतिभागियों की जिज्ञासा को शांत करेंगे।

जलाशयों पर होगा पक्षियों का दीदार

कार्यक्रम के दौरान 16 जनवरी को सुबह 6 से शाम 6 बजे तक बर्ड रेस का आयोजन होगा। जिसमें पक्षी प्रेमी क्षेत्र के जलाशयों पर ऑनलाइन व ऑफलाइन विभिन्न पक्षी प्रजातियों की गिनती करेंगे। इसी तरह 18 जनवरी को बर्ड वाचिंग के दौरान निर्धारित छह रूट पर मौजूद वेटलेंड पर बर्ड वाचिंग की जाएगी। इस दौरान आवागाम, अल्पाहार व भोजन की व्यवस्था वन विभाग की ओर से की जाएगी। दोनों गतिविधियों के लिए प्रतिभागी ऑनलाइन व ऑफलाइन पंजीयन करवा सकेंगे।

न्युवोको विस्टास ने वडराज सीमेंट लिमिटेड का अधिग्रहण पूरा किया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत का पांचवां सबसे बड़ा सीमेंट समूह और पूर्वी भारत में एक प्रमुख कंपनी, वडराज सीमेंट लिमिटेड के अधिग्रहण को पूरा कर लिया है। न्युवोको, वीएसएल के सफल एसआरए के रूप में उभरा है, जो वर्तमान में कॉर्पोरेट इनसॉल्वेंसी समाधान प्रक्रिया से गुजर रहा है। न्युवोको द्वारा प्रस्तुत रेजोल्शून प्लान को कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स द्वारा मंजूर किया गया है, और एक लेटर ऑफ इंटेंट जारी किया गया है। ट्रांजेक्शन पर पूरी तरह से अमल न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी वान्या कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। एक बार अधिग्रहण पूरा हो जाने पर, न्युवोको की निंबोल और चित्तौड़गढ़, राजस्थान में मौजूदा विनिर्माण सुविधाओं के साथ पर्याप्त तालमेल को बढ़ावा देने की उम्मीद है इससे लॉजिस्टिक्स ऑप्टिमाइजेशन को बढ़ावा मिलेगा, ऑपरेशनल कुशलता को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा और प्रतिस्पर्धा क्षमता में सुधार होगा, जिससे कंपनी को बाजार एक्सेस और प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत सप्लाई चेन मिलेगी। इस महत्वपूर्ण मौके पर जयकुमार कृष्णा स्वामी, मैनेजिंग डायरेक्टर, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि यह अधिग्रहण, न्युवोको के सफल सफर में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो भारतीय सीमेंट इंडस्ट्री में 5वें सबसे बड़े उत्पादक के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करता है।

इक्कीसवीं शैक्षणेत्तर कर्मचारी कुलपति चल वैजयंती खेलकूद प्रतियोगिता आंरभ

खेलों से बढ़ती है नेतृत्व क्षमता-डॉ. गुप्ता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। इक्कीसवीं शैक्षणेत्तर कर्मचारी कुलपति चल वैजयंती खेल-कूद प्रतियोगिता मंगलवार से यहां प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय उदयपुर के खेल प्रागंण पर आंरभ हुई। प्रतियोगिता में तीन सौ से ज्यादा खिलाड़ी भाग ले रहे है। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अंतर्गत केन्द्रीय शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ एवं शैक्षणेत्तर कर्मचारी कल्याण समिति प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में अयोजित चल वैजयंती खेल-कूद प्रतियोगिता में प्रशासनिक कार्यालय टीम, सीटीएई, कृषि महाविद्यालय, प्रसार शिक्षा निदेशालय, भूसंपत्ति अधिकारी कार्यालय की टीमों के अलावा डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सामुदायिक एवं व्यवहारिक विज्ञान महाविद्यालय और सीसीपीसी की संयुक्त टीमें भाग ले रही है। इसके अलावा बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, आरजीया भीलवाड़ा व वल्लभनगर की टीमें भी भाग ले रही है।प्रतियोगिता का उद्घाटन अधिष्ठाता डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय एवं सदस्य प्रंबध मंडल डॉ. लोकेश गुप्ता ने किया। इस मौके पर डॉ. गुप्ता ने कहा कि खेल खेलने से टीमवर्क नेतृत्व क्षमता, जवाब देही, धर्म और आत्मविश्वास जैसे जीवन कौशल सीखने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि खेल चाहे कोई भी हो, वह मानव के शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाता है। खेल जीवन को सकारात्मक तरीके से प्रभावित करते है और हमे जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते है।स्वागत उद्बोधन रजनीकांत शर्मा अध्यक्ष केन्द्रीय शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ ने जबकि अध्यक्षीय उद्बोधन प्रो. अनुपम भट्नागर अधिष्ठाता सीटीएई ने दिया, उन्होंने कहा कि खेल को खेल की भावनाओं के साथ खेलें यह खेल प्रतियोगिता लोगों में भाईचारा एवं नया रिश्ता विकसित करेगी। उद्घाटन मेच वालीबॉल प्रसार शिक्षा निदेशालय और सीडीएफएडटी, सीसीएएस और सीसीपीसी की संयुक्त टीम के मध्य हुआ।

जिंक नगर क्रिकेट में कंपास टीम ने जीती ट्रॉफी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिंक नगर रात्रि कालीन टी 20 क्रिकेट महाकुम्भ में बीजनेस पार्टनर के टूर्नामेंट में फाइनल मुकाबला कंपास एवं एसएस- कम्पनी के बीच खेला गया, जिसमें कंपास टीम ने मैच जीतकर लगातार दूसरे वर्ष भी ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एस एस-कम्पनी ने 17 ओवर में 97 रन बनाए जवाब में कंपास की टीम ने लक्ष्य प्राप्त कर मैच जीत लिया। मैन ऑफ़ द मैच शम्भू छापरवाल रहे। टूर्नामेंट के बेस्ट बॉलर शंकर गोस्वामी, बेस्ट बेट्समैन नितेश त्रिपाठी रहे। प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट रोशन रहे। यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणजीतसिंह भाटी एवं एग्जीक्यूटिव क्लब अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने विजेता टीम, उप विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। साथ ही टूर्नामेंट में विभिन्न पारितोषिक प्रदान किये। इस अवसर पर पायरो प्लांट हेड पुष्पेंद्र मीणा, इंद्रजीतसिंह भाटी, दिलीप सिंह, जयंत सौरभ, तरुण सोबेला, मुख्य निर्णायक विजय राव, देवेंद्र सिंह, एसएस कंपनी के साइट इंचार्ज अशोक शर्मा, वंशप्रदीप सिंह, पंकज त्रिवेदी एवं अशोक कुमार जाट उपस्थित थे। यूनियन कोषाध्यक्ष जीएनएस चौहान ने बताया कि कर्मचारियों का टूर्नामेंट का फाइनल बुधवार को खेला जाएगा। क्रिकेट के इस महाकुंभ का जिंक नगर के परिजन पूर्ण उत्साह से आनंद ले रहे है। आयोजन में रमेश चंद्र एवं इंदर सिंह अपनी सराहनीय सेवाएं दे रहे है।

जरूरतंद लोगों को कम्बल वितरित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ महोत्सव समिति द्वारा शहर में शीत लहर से प्रभावित जरूरतमंद लोगों के बीच कम्बल वितरित कर उन्हें राहत देने का प्रयास किया। अनुराग द्विवेदी ने बताया कि सर्दी को देखते हुए समिति द्वारा चन्देरिया से चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन तक लगभग 100 जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित की गई। इस अवसर पर श्रवण सिंह राव, अनंत समदानी, अभिषेक श्रीमाल, गोपाल भूतड़ा, अनुराग द्विवेदी, अभिषेक व्यास, बंटी शर्मा, गोपाल पोरवाल, अभिमन्यू समदानी, अली अजगर बोहरा, मिट्ठूलाल मीणा, नितिन दीक्षित, धीरज मालपानी, अक्षत समदानी, अर्णव माहेश्वरी सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बांटे गर्म वस्त्र

सुदर्शन सेवा संस्थान की ओर से गुरु गोविन्द सिंह जयंती के पूर्व संध्या पर रविवार को रामदेव जी का चंदेरिया सेवा बस्ती में जरूरतमंदों को गर्म वस्त्रों का वितरण किया गया। मनोज शर्मा व अजय प्रजापत ने बताया कि संस्थान विगत एक दशक से इस तरह के सामाजिक एवं सेवा भावी काय करता आ रहा है। रविवार को वस्त्र वितरण के दौरान नितेश शर्मा, ताराचंद हरनावा, राकेश जायसवाल, प्रफुल्ल जायसवाल, प्रतीक शर्मा, अंश शर्मा, योगेश वाल्मीकि, शुभम मांझी, कुनाल शर्मा, धीरज गवारिया, आकाश प्रजापत, अर्जुन प्रजापत, तरुण शर्मा, प्रिंस जायसवाल, नकुल सिंह, राधे सिंह, सूर्य प्रकाश शर्मा, प्रभात सिंह, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। संस्थान की ओर से आगामी रविवार में भेरड़ा रोड़ चंदेरिया सेवा बस्ती में वस्त्र वितरण का कार्यक्रम किया जाएगा।

श्री कालभैरव मंदिर पर पौषबड़ा आयोजन के साथ महंत पंडित उपेंद्र तिवारी का सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। कन्नी गुर्जर गोल बाग रोड स्थित जयशंकर टाईगर मार्ग काल भैरव मंदिर पर रविवार को फूल बंगला झांकी सजाई गई, श्री काल भैरव का आलौकिक सिंगार किया गया और पौषबड़ा प्रसादी का वितरण किया गया। भैरव बाबा के दर्शन के लिए तड़के से ही श्रद्धालु भक्तगणों का तातां लगना शुरू हो गया। नववर्ष के प्रथम रविवार के मौके पर श्रद्धालुओं ने श्री काल भैरव एवं फूल बंगला झांकी के दर्शन कर भैरव बाबा से सुखद जीवन की कामना की। जयशंकर टाइगर्स शिक्षक एवं प्रशिक्षण संस्थान, मंदिर महंत पंडित उपेंद्र तिवारी एवं गोल बाग रोड के समस्त भक्तगण के नेतृत्व में श्री काल भैरव की विशेष पूजा अर्चना की गई। उसके उपरांत दोपहर 12 बजे पौषबड़ा प्रसादी का श्री काल भैरव का भोग लगाया गया उसके बाद पौषबड़ा की प्रसादी का भक्तजनों को वितरण किया गया।

पौषबड़ा प्रसादी वितरण में मंदिर महंत पंडित उपेंद्र तिवारी, टाईगर क्लब की अध्यक्ष प्रतिभा शर्मा, सचिव इंजीनियर पीयूष जयशंकर टाईगर, सिलेक्शन गारमेंट के निर्देशक बंटी व्यास, प्रदीप किराना स्टोर संचालक सोनू मित्तल, वरिष्ठ समाजसेवी देवेंद्र मोहन तिवारी, हेमलता शर्मा, सुरेंद्र डेयरी के संचालक मोहित सिंघल, वैभव ज्वैलर्स के संचालक बनवारी लाल वर्मा, वैभव सोनी, श्री राम ऑप्टिकल के संचालक अनिल, राज मेडिकल के संचालक राजू सिंगल, कंसल टिंबर के संचालक विष्णु कंसल, सुमन शर्मा, कोमल इलेक्ट्रॉनिक्स के संचालक आशीष तिवारी, कोमल शर्मा आदि ने सहयोग किया।

कार्यक्रम के अंत में जयशंकर टाईगर जूडो कराटे क्लब के लिटिल टाइगर्स ऐश्वर्य शर्मा एवं राम्या शर्मा एवं भरतपुर ताइक्वांडो संघ सचिव दीप्ति शर्मा ने महंत पंडित उपेंद्र तिवारी का पटका, माला एवं टाईगर क्लब का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। श्री काल भैरव मंदिर के महंत पंडित उपेंद्र तिवारी ने उपस्थित सभी भक्तगणों का आभार व्यक्त किया।

हेमंत ने जीता बेस्ट गेंदबाल का खिताब

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/अलवर। 15वीं अखिल भारतीय लीगल प्रीमियर लीग में राजस्थान टीम विजेता रही। प्रतियोगिता में अलवर जिले के पॉक्सो न्यायालय में कार्यरत हेमंत शर्मा को बेस्ट गेंदबाज का अवार्ड दिया गया। हेमंत शर्मा ने आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एवं चंडीगढ़ के खिलाफ हुए मैचों में 3 -3 विकेट लिए। फाइनल मैच में राजस्थान का मुकाबला दिल्ली हाई कोर्ट की टीम से हुआ। जिसे जीतकर राजस्थान टीम पहली बार इस चैंपियनशिप की विजेता रही। हेमंत शर्मा ने टेनिस एल्बो की परेशानी से झूझने के बावजूद प्रतियोगिता में असाधारण परफॉर्मेंस के आधार पर बेस्ट गेंदबाज का अवॉर्ड जीता। प्रतियोगिता के समापन के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायधीश अशोक जैन थे। जबकि प्रतियोगिता के अन्य अतिथि के रूप में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज पंकज सिंह रहे। प्रतियोगिता में पूरे देश के समस्त उच्च न्यायालयों की टीम ने भाग लिया। राजस्थान के टीम जयपुर में आयोजित सभी जिला न्यायालयों के खिलाड़ियों की ट्रायल एवं बीकानेर में आयोजित हुई स्टेट लेवल की प्रतियोगिता के आधार पर किया गया। वही, हेमंत के अलवर लौटने पर बार संघ के पूर्व संयुक्त सचिव अधिवक्ता संदीप बेनीवाल सहित अन्य लोगों ने उनका स्वागत किया।

शिक्षा संबल शीतकालीन शिविर

हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा हजारों विद्यार्थी लाभान्वित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड ने शिक्षा पर केंद्रित शिक्षा संबल परियोजना के शीतकालीन शिविर का सफलतापूर्वक समापन किया, जिसमें वंचित ग्रामीण इलाकों के लगभग 1700 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए। शीतकालीन शिविरों में प्रदेश के 6 जिलों के 47 राजकीय विद्यालयों के पहली पीढ़ी के शिक्षार्थियों को शामिल किया गया।

हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा शिक्षा संबल कार्यक्रम के तहत् शीतकालीन शिविर, शिक्षा-केंद्रित सामाजिक प्रभाव पहल, 2008 से राजस्थान में संचालित हो रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के 2 लाख से अधिक विद्यार्थी सालाना लाभान्वित हो रहे है। शिक्षा संबल का उद्देश्य उन शिक्षार्थियों को सहायता प्रदान करना है, जो वित्तीय, सामाजिक और सुविधा संबंधी बाधाओं के कारण पढ़ाई और संतोषजनक करियर को आगे बढ़ाने का विकल्प नहीं चुन सकते हैं। यह पहल कक्षा 10वीं के छात्रों को शैक्षणिक सहायता प्रदान करती है जो त्यौहारी अवकाश के दौरान अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के अंतिम चरण में हैं और संरचित सत्रों, विशेष कार्यपुस्तिका अभ्यास और विज्ञान के छात्रों के लिए व्यावहारिक प्रयोगशाला कार्य के साथ-साथ गणित और अंग्रेजी के लिए उन्नत पुस्तकालय कार्य के माध्यम से पढ़ने, लिखने, गणित और विज्ञान जैसे मूलभूत विषयों में सहायता प्रदान करती है। इन मूल विषयों पर ध्यान केंद्रित कर, शिविर का उद्देश्य छात्रों की समझ को मजबूत करना और उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ावा देना था। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम ने सीखने के परिणामों को अधिकतम करने के लिए लगातार उपस्थिति पर बल दिया, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक छात्र प्रदान की गई व्यापक शैक्षिक सहायता से लाभान्वित हो सके। विद्या भवन सोसाइटी के सहयोग से संचालित शिक्षा संबल शीतकालीन शिविर राजस्थान के उदयपुर, सलूंबर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, अजमेर और भीलवाड़ा सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया। हिंदुस्तान जिंक का शिक्षा संबल कार्यक्रम ग्रामीण राजस्थान में शिक्षा के माध्यम से वंचित बच्चों के उत्थान की व्यापक प्रतिबद्धता का अभिन्न अंग है। कंपनी ने हाल ही में राजस्थान के शिक्षा विभाग के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राज्य में शैक्षिक विकास को बढ़ाने के लिए अगले पांच वर्षों में 36 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता है। कंपनी ने ग्रामीण बच्चों के बाल्यावस्था के विकास को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान और उत्तराखंड में 1400 से अधिक नंद घर स्थापित किए हैं, जिससे 2.5 लाख से अधिक महिलाएं और बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, कंपनी ने अन्य पहलों जैसे ऊंची उड़ान, जो कम आय वाले पृष्ठभूमि से आने वाले आईआईटी उम्मीदवारों को सहायता प्रदान करती है, और जीवन तरंग, जो दिव्यांग बच्चों को सशक्त बनाती है, के साथ राज्य के शैक्षिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है। शिक्षा के साथ ही हिंदुस्तान जिंक ग्रामीण महिलाओं और किसानों के लिए स्थायी आजीविका के अवसरों, स्वास्थ्य सेवा पहुंच, जल संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने में महत्पूर्ण पहल संचालित है, जिसने 3,700 से अधिक गांवों में 20 लाख से अधिक लोगों के जीवन को लाभान्वित किया है।

निर्माणाधीन छात्रावास का किया निरीक्षण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। श्री कुमावत विकास एवं सेवा संस्थान के तत्वाधान में गांधीनगर में निर्माणाधीन श्री चारभुजा कुमावत समाज छात्रावास का विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर सुशील शर्मा, शैलेंद्र झंवर, अनिल ईनाणी, ओमप्रकाश शर्मा, राजन माली, बालचंद गेंदर, रमेश चंद्र खन्ना, श्याम सिंह मंडलिया, शिवलाल अडानिया, सुरेश चंद्र सडीवाल, हरिप्रसाद, बंशीधर दमीवाल, रतनलाल गेंदर, मदनलाल खनारिया, मुरलीधर अडाणिया, भंवरलाल सुरलिया, जीवनलाल पडियार, राजकुमार बेरा, रितेश नाहर, मनोहर लाड़ना, मुरारी लाल, इंद्रमल सिंघनवाल आदि समाजजन उपस्थित थे।

फिट चित्तौड़ क्लब चलाएगा साफाई अभियान

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। फिट चित्तौड़ क्लब संरक्षक सांसद सीपी जोशी की पहल पर शहर के प्रमुख चौराहों, तिराहों व अन्य स्थानों पर लगी महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई का अभियान चलायेगा। मनोज पारीक ने बताया कि क्लब अध्यक्ष अनिल शिशोदिया के नेतृत्व में सदस्यो द्वारा शहर के कलेक्ट्रेट चौराहे पर सांसद कार्यालय के पास स्थित वीर सावरकर एवं जिला परिषद के बाहर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा की साफ सफाई की गई। इस दौरान लोकेश त्रिपाठी, परमजीत सिंह, शेखर शर्मा, प्रहलाद टेलर, शिव प्रकाश मंत्री, चेतन गौड़, नंद किशोर लौहार, पुष्कर, शुभम, कुलदीप बंजारा, धीरज सुखवाल, श्रवण जाट, नीलेश आँजना, अर्जुन सिंह आदि उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद ने निकाली 82वीं साइकिल रैली

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। शहर में भारत विकास परिषद द्वारा प पर्यावरण बचाओ प्रकृति से जुड़िए के संदेश देने के लिये 82वीं साईकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली को बृजेश मोदानी द्वारा कलेक्ट्री चौराहे से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली प्रारंभ होकर नगर पालिका, अंडर ब्रिज, नेहरू गार्डन, प्रताप नगर, कुंभा नगर, रेलवे फाटक, होते हुए पुनः अंडर ब्रिज से होकर नंदवाना पेट्रोल पंप सम्पन्न हुई। रैली में सीताराम, शांति लाल, विनोद, महेंद्र, सुरेश चंद्र, प्रकाश पोखरना, ललित, दिनेश शामिल रहे।

गीत संग्रह 'प्यार को मरने न दूँगा'

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

लेखक- लव कुमार 'प्रणय'
प्रकाशक- शब्दांकुर प्रकाशन,नई दिल्ली

जयपुर। साहित्य पर जबरदस्त पकड़ रखने वाले आदरणीय लव कुमार 'प्रणय' जी का मुक्तकों, गीतिकाओं, ग़ज़लों के संग्रह के बाद ये गीत संग्रह प्रकाशित हुआ है। काव्य संग्रह 'प्यार को मरने न दूँगा' में ऐसे-ऐसे दिल को छू जाने वाले गीत हैं,जिन्हें पढ़कर मन प्रफुल्लित हो जाता है। ये संग्रह कुल नब्बे गीतों का संकलन है। सारे के सारे गीत एक से बढ़कर एक हैं। प्रणय जी ने हर विषय पर अनेक खूबसूरत गीत लिखे हैं। यथा -

पुस्तक के नाम को सार्थक करती पंक्तियाँ-
प्यार को मरने न दूँगा, प्यार को जिंदा रखूँगा ।
दो कदम तुम भी चलो प्रिय,दो कदम मैं भी चलूँगा।

आपका एक और बेहतरीन गीत-
मैं तो सागर हूँ अभिशापों से भरा हुआ।
मेरा मंथन करके भी तुम पछताओगे।

***

इसी संदर्भ में कुछ और गीत -
साथ जब माँगा सुखों का, दर्द ने आकर छुआ है। अब किसी से क्या कहें हम,जो हुआ अच्छा हुआ है।

***

एकाकीपन भी है, निदिया भी रूठी है। गीत मुझे गाने दो, गीत मुझे गाने दो।।

***

ऐसे ही प्यार भरे गीतों के साथ - साथ अन्य विषयों पर भी अनेक हृदयस्पर्शी गीत इस संकलन में हैं। कुछ उदाहरण-
प्यार की दौलत लुटाना सीखिए।
आँख से आँसू चुराना सीखिए।

***

मैं यहाँ जो कुछ कहूँगा सच कहूँगा। जुल्म के आगे नहीं हरगिज़ झुकूँगा।

***

देखकर व्यवहार जग का मन दुखी है। आत्मा घायल पड़ी है, तन दुखी है।।

पाठकों के संदर्भ हेतु कुछ गीतों के मुखड़े जो मुझे बहुत अच्छे लगे-

बेटियों को सदा प्यार करते रहो
शिव नहीं बन सके हमारी ज़िंदगी
खड़ी न कर दीवार
तुम वीणा के तार बजाओ

इसके अतिरिक्त अनेक गीत संकलन में हैं जो पाठकों के हृदय को स्पर्श करने में सफल होंगे,ऐसा मेरा विश्वास है। सरल और सहज हिन्दी भाषा में लिखे गीतों का ये संकलन काव्य में रुचि रखने वाले मनीषियों के लिए अमेजन पर उपलब्ध है। मैं भाई प्रणय जी के इस अनुपम गीत संग्रह के प्रकाशन पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके साहित्य सृजन की निरन्तर प्रगति की कामना करता हूँ । आपने मेरा भी कई बार मार्ग दर्शन किया है । आपका एक गुण और है शालीनता,आप कितनी शालीनता से बात को समझाते हैं उसकी प्रशंसा में मेरे पास शब्द नहीं है केवल सादर नमन ।

-रमेश शर्मा, (कवि- लेखक), मुंबई

एमपीयूएटी एवं हार्टफुलनेस संस्थान के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

व्यक्तित्व, आत्मिक, आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। हार्टफुलनेस मेडिटेशन संस्थान एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय के सयुंक्त तत्वावधान में सत्र पर्यन्त विद्यार्थियों एवं स्टाफ के व्यक्तित्व विकास, आत्मिक उन्नति, आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिक विकास के लिए निःशुल्क कार्यक्रम आयोजन हेतु इस आशय के समझौता पत्र (एम.ओ.यू)पर हस्ताक्षर किये गए। यह समझौता आगामी अवधी बढ़ाने या न्यूनतम 5 वर्ष के लिए मान्य रहेगा। पत्र पर एमपीयूएटी कुलपति डॉ अजीत कुमार कर्नाटक एवं हर्टफुलनेस केन्द्र समंवयक, उदयपुर डॉ राकेश दशोरा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर हार्टफुल कैंपस प्रोग्राम की जानकारी देते हुए डा राकेश दशोरा ने बताया कि हार्टफुलनेस एक अलाभकारी आध्यात्मिक संस्थान है जो हृदय पर ध्यान के अभ्यास के माध्यम से व्यवहार एवं सोच में स्थायी बदलाव एवं आंतरिक सन्तुलित से मन को प्रसन्न एवं शांत रखने की कला सिखाती है। संस्थान हार्टफुल केम्पस प्रोग्राम के माध्यम से विश्वविद्यालय के छात्रों एवं स्टाफ के लिए निःशुल्क विविध व्यक्तित्व विकास के कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने बताया कि विवि ने विगत 2 वर्ष में 28 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं इनमें वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया और सेंट्रल लुजोन स्टेट यूनिवर्सिटी फिलिपींस इत्यादि प्रमुख है। विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट कार्यो को देखते हुए राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को प्रथम कुलाधिपति पुरस्कार से सम्मानित किया था। इस प्रकार के समझौते से विभिन्न क्षेत्रों में आत्मिक एवं व्यक्तित्व विकास से मानव संसाधन विकास की समस्याओं का आसानी से समाधान किया जा सकेगा। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ अरविंद वर्मा, निदेशक आयोजना डॉ सुनील जोशी और परीक्षा नियंत्रक डॉ राम हरि मीणा, हार्टफुलनेस ट्रेनर व पूर्व पी आर ओ डॉ सुबोध शर्मा और वॉलंटियर कु. रंजना शर्मा भी उपस्थित थे।

ये कार्यक्रम होंगे आयोजित

स्टाफ ट्रेनिंग : वेलनेस एट वर्क प्लेस इस तीन दिवसीय कार्यशाला में स्टाफ को विश्वविद्यालय में तनाव मुक्त वातावरण मे जोयफुल रह कर कार्य करने के गुर सिखाये जाएंगे।
फैकल्टी ट्रेनिंग- इस तीन से छह दिवसीय कार्यक्रम के अंर्तगत हार्टफुलनेस ध्यान की तकनीक के माध्यम से हृदय आधारित उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।
एच ई एल एम कार्यक्रमः Heartfullness Enabled Leadership Mastery कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जाएगा, 16 सप्ताह के इस कार्यक्रम में लाइफ स्किल्स सिखाई जाएगी।
हार्टफुलनेस मेडिटेशन वर्कशोपः सामान्य प्रशासन , ग्राउंड स्टाफ सहित छात्रों और अभिभावकों के लिए तीन दिवसीय व्यवहारिक कार्यशाला आयोजित की जावेगी ।
इनर कुशलता कार्यशालाः छात्र एवं संकाय सदस्यों के लिए 3 दिवसीय wellbeing कार्यशाला आयोजित की जावेगी जिसमे आन्तरिक स्व से जुड़ाव के साथ तनाव मुक्त एवं प्रसन्न जीवन जीना सिखाया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन करेगा खाटू श्याम जी में देश-दुनिया की 31 विभूतियों का सम्मान

द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह 10 जून को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन का द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन 10 जून मंगलवार को बाबा श्याम की नगरी खाटू धाम राजस्थान में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन केंद्रीय मुख्यालय के तत्वाधान एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला इकाई मथुरा एवं मथुरा महानगर इकाई के आतिथ्य मे आयोजित किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष राज कुमार मित्तल ने बताया कि 10 जून को आयोजित कार्यक्रम में देश सहित विश्व के विभिन्न देशों के भी अग्र बंधु शामिल होंगे तथा इस कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली 31 हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा तो वहीं इस द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन प्रायोजक परिवारों के सहयोग से होगा। अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष मित्तल ने बताया कि 31 अलग अलग क्षेत्र में दिए जाने वाले सम्मान प्रायोजक परिवार की उपस्थिति में खाटू धाम में आयोजित भव्य समारोह कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। प्रथम अग्र विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन 8 जून 2024 को कोलकाता में आयोजित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह को लेकर अग्रवाल समाज के ऐसे 31 अलग अलग क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने वाली हस्तियों से आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से उनका चयन किया जाएगा।

10 जून की रात्रि खाटू धाम में बाबा श्याम के भजनों का भी कार्यक्रम कार्यक्रम स्थल पर होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सभी सदस्य एवं प्रदेश इकाई प्रमुख दिन रात मेहनत कर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने में लगे हुए हैं। जिनमें प्रमुख रूप से अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन राजस्थान प्रदेश इकाई अध्यक्ष शशि गुप्ता, महिला इकाई अध्यक्षा प्रियंका गोयल एवं युवा इकाई अध्यक्ष राजेंद्र मित्तल, राजस्थान युवा इकाई मंत्री मनीष गोयल सक्रिय रूप से द्वितीय अग्र विभूति अलंकरण समारोह कार्यक्रम को शानदार एवं भव्यता प्रदान हेतु प्रयत्नशील है।

पाँचना के पानी का हो बँटवारा, बाणगंगा नदी को गम्भीर से जोड़ने की रखी माँग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भरतपुर। पानी और रोजगार से जुड़े मुद्दों को लेकर भरतपुर के समीपवर्ती ग्राम अघापुर के मन्दिर पर अनेक गाँवों के किसानों की जनसभा आयोजित हुई जिसमें सभी किसानों ने पाँचना बाँध के पानी का बँटबारा करने तथा बाणगंगा नदी को गम्भीर से जोड़ने की सरकार से माँग की ।

किसानों ने एकजुट होकर इआरसीपी - पीकेसी के प्रथम चरण में ही भरतपुर की सूखी पड़ी नदियों को जोड़कर पानी पहुंचाने की जरूरत बताते हुऐ कहा कि बगैर पानी के स्थाई समाधान के केबलादेव राष्ट्रीय उद्यान भी अपनी पहचान खोता चला जा रहा है , सभी किसानो ने कहा कि अगर घने को स्थाई तौर पर पानी का इंतजाम हो जाता है तो इससे पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी जिससे होटल व्यवसाय ' रिक्शा चालक, गाईडर्स सहित तरह-तरह से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार पैदा हो सकता है। किसानों ने कहा कि पानी के मुद्दें को लेकर कस्वा हलैना में 12 जनवरी को पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक की होने बाली जनसभा में क्षेत्र के अनेक गणमान्य किसान हिस्सा लेगे। किसानों ने तय किया कि अगर जरूरत पड़ेगी तो सभी मिलकर पानी और रोजगार के लिये संघर्ष करेंगे।

गरीबी कम हुई तो आयकर दाता भी बढने चाहिए

जनसभा में भरतपुर के पूर्व सांसद और पानी आन्दोलन के अगुआ पंडित रामकिशन ने कहा कि सरकार कह रही हैं कि गरीबी कम हुई है तो फिर आयकर दाताओं की भी तो संख्या बढ़नी चाहिय केबल एक प्रतिशत लोग है आयकर दे रहे है । उन्होंने कहा कि सरकार को आयकर का दायरा बढ़ाकर उनसे मिलने बाले कर की धनराशी को मौसम परिवर्तनों से खेती पर पड़ने बाले विपरित प्रभावों के शोधकार्यो पर खर्च करना चाहिये ।

बर्षाती पानी के लिये हो अलग योजना

पूर्व सांसद पंडित रामकिशन ने कहा की राज्य सरकार को वर्षात के दिनों में ज्यादा पानी भर जाने से भी जनता का नुकसान होता है जैसे इस वर्ष जघीना गाँवों के चारों तरफ पानी भर गया था , ऐसे बर्षाती पानी के लिये भी सरकार को अलग से यहाँ योजना बनानी चाहिये ।

अन्य जिलों के मुकाबला विकास में पिछड़ा भरतपुर

सभा में किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने कहा कि अन्य जिलों के मुकाबले भरतपुर जिला विकास के हर मापदण्ड में लगातार पिछड़ता जा रहा है , यहाँ खेत को सिंचाई का पानी नहीं और नौजवान बेरोजगार घूम रहे है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और टीटीजेड को समाप्त करने की जरूर बताते हुऐ कहा कि एनसीआर से लाभ नहीं है उल्टे जनता को तरह तरह के टैक्सों का नुकसान भुगतना पड़ रहा है। किसान नेता इन्दल सिंह ने भरतपुर जिले में नौजवानों को रोजगार देने के लिये प्रदूषण रहित छोटे उद्योग धन्धे लगाने तथा खेती के लिये सिंचाई के पानी का प्रबंध करने की सरकार से माँग की । उन्होंने कहा कि हम वर्ष 2007 से लगातार पानी के लिये संघर्ष कर रहे है और अगर जरूरत होगी तो पानी के लिये आगे भी संघर्ष जारी रहेगा । उन्होंने कहा कि पानी की योजना इआरसीपी - पीकेसी मंजूर हो गई है अब कार्य तेजगति से होना चाहिये । सम्पूर्ण जिले में सिंचाई और पीने के पानी का संकट है ।

इआरसीपी का समझौता हो सर्वजनिक

कच्चा परकोटा आन्दोलन के नेत इन्द्रजीत भारद्वाज ने सरकार से इआरसीपी के हुऐ समझौता को सार्वजनिक करने की माँग करते हुऐ भरतपुर जिले को सिंचाई पानी और पेयजल की व्यवस्था प्रथम चरण में एक साथ करने की माँग की ।

विधायक आक्या जिला कबड्डी संघ के जिलाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या जिला कबड्डी संघ के निर्विरोध जिला अध्यक्ष निर्वाचित हुए। जिला कबड्डी संघ के चुनाव शहर स्थित एक वाटिका में संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी घनश्याम गर्ग ने बताया कि जिला कबड्डी संघ के चुनाव में सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुए, जिनमें अध्यक्ष पद पर विधायक सिंह आक्या, सचिव गुलज़ार खां, कोषाध्यक्ष कुलदीप सिंह चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायण दास, उपाध्यक्ष नारुलाल कौर, उमेश पालीवाल, संयुक्त सचिव सत्यनारायण भोई, जितेंद्र शर्मा निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी रामरतन गुर्जर, राजस्थान राज्य कबड्डी संघ पर्यवेक्षक दिनेश कुमार सनाढ्य, जिला ओलम्पिक संघ पर्यवेक्षक घनश्याम सिंह राणावत, शैलेंद्र झंवर, रतन गुर्जर, ओमप्रकाश शर्मा, शैतान सिंह सहित विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधी उपस्थित थे।

केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर

किसानों के साथ उत्साह से मनाया 64वां स्थापना दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मालपुरा। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर मे 64वां स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अथिति डॉ संजय कुमार चेयरमैन कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली, विशिष्ट अथिति के रूप मे पोल्ट्री अनुसन्धान संस्थान हैदराबाद निदेशक डॉ आर एन चट्टेर्जी, राष्ट्रीय पशु पोषण एवं कार्यकी संस्थान बंगलौर निदेशक डॉ ए साहू भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अविकानगर संस्थान निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर द्वारा की गई। निदेशक डॉ तोमर ने इस अवसर पर कहा कि मेरा संस्थान भेड़, खरगोश एवं सिरोही नस्ल की बकरी की ऊनत पशुओ का हर साल किसान के निवेदन पर पूरे देश को आपूर्ति करता है। इसके अलावा भी भारत सरकार की विभिन्न योजना जैसे अनुसूचित जाति एवम जनजाति मे भी राजस्थान के विभिन्न जिलों के साथ हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु एवं देश के नार्थ ईस्ट राज्यों मे भी संस्थान के ऊनत नस्ल के पशुओ का प्रदर्शन के साथ वितरण कर रहा है। इस अवसर पर निदेशक द्वारा अथितियों को अपने परिसर के दुम्बा भेड़, खरगोश, सिरोही बकरी, अविशान भेड़, मालपुरा भेड़, पाटनवाड़ी भेड़, अविकालीन भेड़ के साथ गरोल भेड़ के पशुओ की भी प्रदर्शन के साथ विभिन्न सेक्टरो का भ्रमण करवाया गया। स्थापना दिवस पर संस्थान के विभिन्न प्रकाशन अविपुंज हिंदी पत्रिका के साथ अन्य प्रकाशन का भी विमोचन हुआ। इस स्थापना दिवस कार्यक्रम का समन्वयक डॉ रणधीर सिंह भट्ट एवं इन्द्र भूषण कुमार द्वारा किया गया।

स्थापना दिवस कार्यक्रम मे राजस्थान के डूंगरपुर, दौसा, उदयपुर, बीकानेर, टोंक, हिमाचल प्रदेश के किसान के साथ कुल 600 से ज्यादा लोगो ने भाग लेकर विभिन्न तकनिकीयों का भ्रमण किया। संस्थान के मीडिया प्रभारी डॉ अमरसिंह मीना ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का शुभारम्भ कलश यात्रा से

मालाखेड़ा (अलवर) @ जागरूक जनता। श्री श्री 1008 श्री सीताराम जी के मन्दिर, कटला मौहल्ला में श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारम्भ पं. राधेश्याम शर्मा (वृंदावन) के द्वारा किया गया। इससे पूर्व कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में स्थनीय महिलाएं सिर पर कलश रखकर चल रही थी। कलश यात्रा कटला मौहल्ला से बस स्टैंड, पई गेट होते कस्बे के मुख्य बाजारों से गुजरकर कथा स्थल पर पहुँची। यहां महाराज श्री और श्रीमद्भागवत कथा का शानदार स्वागत किया गया।

अंतरराष्ट्रीय जेएलएफ 2025 में हरीश का चयन

जैसलमेर @ जागरूक जनता। राजस्थान का पश्चिमी जिला भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित जैसलमेर जिले से एकमात्र युवा ग्राम पंचायत पारेवर के अधीन ग्रामदानी गांव कबीर बस्ती निवासी हरीश राठौड़ का अंतरराष्ट्रीय जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2025 में संगीत, सांस्कृतिक एवं समुदाय स्वयंसेवक के रूप में चयन हुआ है जिससे संपूर्ण क्षेत्र में खुशी का माहौल है। खुशी ग्राम विकास एवं शिक्षण संस्थान कबीर बस्ती के सचिव मनोहर लाल राठौड़ ने बताया कि जे एल एफ 2025 के लिए हरीश ने साक्षात्कार देकर टीम में अपनी जगह बनाई है ।

हॉकी जालोर के चुनाव 19 को

जालौर @ जागरूक जनता। हॉकी जालोर की वार्षिक साधारण सभा की मीटिंग का आयोजन उन्नीस जनवरी 2025 को वतन रिसोर्ट बिशनगढ़ में आयोजित होगी। ए जी एम के पश्चात् चार वर्षों के कार्यकाल 2025 से 2029 की अवधि के लिए चुनाव की कार्यवाही सम्पन होगी हॉकी जालोर के सचिव मदन सिंह राठौड़ ने बताया की संरक्षक अध्यक्ष चेयरमैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष के एक एक पद तथा उपाध्यक्ष संयुक्त सचिव एवं कार्यकारिणी सदस्यों के पांच पांच पदों के लिए चुनाव होंगे जिसमे हॉकी के नौ क्लबों के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। हॉकी जालोर के लाल सिंह गोविन्दला ने बताया की इक्कीस पदों हेतु नामांकन फॉर्म सात जनवरी तक जमा करवा सकेंगे प्राप्त नामांकन फॉर्मों की जाँच नौ जनवरी को की जाएगी।

सांसद ने किया नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गुड़ामालानी। क्षेत्र के नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन व नविन स्वास्थ्य केन्द्र का किया उद्घाटन बाड़मेर, जैसलमेर, बालोतरा के सांसद उम्मेदाराम बेनिवाल ने किया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी, जिला प्रमुख महेंद्र चौधरी, प्रधान बिजलाराम चौहान,राणा कुलदीप सिंह ठि. गुड़ामालानी, उप प्रधान प्रतिनिधि खेताराम सियोल, भोमाराम सियोल, ताजाराम सियाग, मोटाराम सियोल, नाथाराम सारण, गोरखाराम कड़वासरा, ठेकेदार पुन्माराम लोहिया, जेठाराम भक्त, हिम्मताराम सियाग, हरजीराम बैरड़, जियाराम, मोडाराम सियाग VDO, LDC नगाराम सियोल पूर्व सरपंच खुमाराम बैरड़ पीपराली सभी वार्ड पंच व ग्रामीण मौजूद रहे। अतिथियों ने फीता काट कर नए नवनिर्मित भवन व नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ किया पंचायत भवन व उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए भूमि दानदाता मोडोणी बैरड़ एवं घमडाणी सियाग परिवार के द्वारा दी गई।

सांसद बेनिवाल ने कहा कि इस नवनिर्मित भवन व नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से आमजन को सभी सुविधाओं का लाभ मिलेगा इससे क्षेत्र के विकास कार्यों में तेजी आएगी सांसद ने एक स्मार्ट क्लासरूम और एक भवन की घोषणा की। उन्होंने पंचायत भवन को जनहित और प्रशासनिक कार्यों के सुचारू संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया सरपंच शिवनारायण सियाग ने सांसद का धन्यवाद ज्ञापित किया। सांसद ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से सवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनी और समस्याओं को समाधान करने का आश्वासन दिया।

श्री पीताम्बरा आश्रम होगा आध्यात्मिक चेतना एवं सनातन संस्कार का स्वरूप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बांसवाड़ा। गायत्री मण्डल बांसवाड़ा द्वारा आगामी समय में प्राच्यविद्याओं और आध्यात्मिक चिन्तन तथा सनातन धर्म एवं परम्पराओं पर व्याख्यान मालाएं, सेमिनार, शोध संगोष्ठियां, परिचचा, ध्यान योग, विभिन्न उत्सवों एवं पर्वों पर अनुष्ठानों तथा सत्संग आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मण्डल द्वारा श्री पीताम्बरा आश्रम की गतिविधियों को पूजा-पाठ और कर्मकांड तक सीमित नहीं रखकर इसे विशुद्ध आध्यात्मिक चेतना एवं सनातन संस्कार केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यह जानकारी मण्डल की कार्यकारिणी की श्रीपीताम्बरा आश्रम में रविवार को हुई बैठक में दी गई। इसमें प्रमुख पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में कई महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई जिन्हें आगामी 19 जनवरी को श्री पीताम्बरा आश्रम में होने वाली गायत्री मण्डल की संचालिका की बैठक में रखा जाएगा तथा इसके उपरान्त मण्डल की साधारण सभा की बैठक आयोजित कर इन पर निर्णय लिए जाएंगे। बैठक में गायत्री मण्डल की अब तक की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए संतोष व्यक्त किया गया और आय-व्यय एवं सदस्यता का सम्पूर्ण ब्यौरा प्रस्तुत करने के साथ ही भावी आयोजनों एवं विस्तार गतिविधियों की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया गया।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय

जोनल लेवल भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में प्रायोजित जोनल स्तर की भाषण प्रतियोगिता ने कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान किया। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (नास), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस प्रतियोगिता ने भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में कृषि के क्षेत्र में नई सोच और नवाचार को उल्लेखित किया।

गौरतलब है कि इस प्रतियोगिता की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह को सौंपी गई है जिसमें राजस्थान एवं गुजरात के 12 कृषि विश्वविद्यालयो में से चयनित दो विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में भेजा जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह की अध्यक्षता में हुआ

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता के माध्यम से कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को एक मंच मिलता है। इस तरह की प्रतियोगिता भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में कृषि के क्षेत्र में नई सोच और नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758 | डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26 /jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जागरूक खबरें

मदन राठौड़ ने 'देश में तिलहन एवं दलहन का उत्पादन एवं उपलब्धता' विषय आधारित बैठक में दिए सुझाव

जयपुर @ जागरूक जनता। नई दिल्ली में आज कृषि, पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण संबंधित संसदीय स्थाई समिति की बैठक आयोजित की गई। संसदीय शोध भवन परिसर में आयोजित बैठक लोकसभा सांसद चरणजीत सिंह चन्नी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। "देश में तिलहन एवं दलहन का उत्पादन एवं उपलब्धता" विषय पर आधारित बैठक में राज्यसभा सांसद अध्यक्ष मदन राठौड़ भी उपस्थित रहे। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि दलहन और तिलहन के उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ हमें पॉम आयल के सेक्टर में भी अध्ययन करना चाहिए। विदेशों में पॉम आयल के उत्पादन और वैश्विक स्तर पर इसकी सप्लाई की जा रही है, ऐसे में हमें भी इस सेक्टर में अध्ययन करना चाहिए।

राजपूताना एंटरप्राइजेज (द हाउस ऑफ म्यूजिक) के "ड्रीमर्स रॉकस्टार्स" बैंड का प्री-लॉन्च

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के अग्रणी म्यूजिक हब राजपूताना एंटरप्राइजेज (द हाउस ऑफ म्यूजिक) ने अपने पहले आधिकारिक बैंड "ड्रीमर्स रॉकस्टार्स" का प्री-लॉन्च घोषित किया है। यह बैंड उभरते हुए युवा कलाकारों की नई ऊर्जा और अद्भुत प्रतिभा का प्रतीक है। टेक्नो म्यूजिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा समर्थित, यह बैंड आधुनिक संगीत, रॉक, और इंडियन फ्यूजन का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करेगा।

रूमादेवी फाउंडेशन द्वारा सतत चलाया जा रहा है नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

गाँव की ही महिलाओं ने संभाली नशा मुक्ति की मुहिम

ग्रामीण महिलाएँ जागरूक होकर कर रही है अपने अपने क्षेत्र में नेतृत्व, ला रही है सामाजिक बदलाव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बाड़मेर/रावतसर। सामाजिक कार्यकर्ता और फैशन डिजाइनर डॉ. रूमादेवी के नेतृत्व में रूमादेवी फाउंडेशन द्वारा बाड़मेर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है जिसका नेतृत्व स्थानीय क्षेत्र की महिलाएं स्वयं आगे आकर कर रही है। इस अभियान का उद्देश्य हमारे समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना और एक स्वस्थ, सशक्त भविष्य की दिशा में कार्य करना है। रूमादेवी ने बताया कि नशा हमारे समाज की जड़ों को कमजोर कर रहा है इस अभियान का उद्देश्य न केवल लोगों को जागरूक करना है, बल्कि उन्हें नशे से बाहर निकालने में मदद करना भी है उन्होने बताया कि नशा मुक्ति की मुहिम स्थानीय महिलाएँ स्वयं करने के लिए आगे आई है जिससे यह अभियान प्रभावी तरीके से चलाना संभव हो पाया है

रूमादेवी फाउंडेशन की प्रवक्ता अनिता व कविता कुमारी ने बताया कि इस अभियान के तहत पोकरासर, एरोवाला (सोडियार), बलदेव नगर, खारावाला, जसाई, मालपुरा, हाजनियो की ढाणी (केरली), कपुरडी, बेनिवालसर (खेमपुरा), बिसारनिया और बसरा सहित कई गांवों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं इन कार्यक्रमों में स्थानीय निवासियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया और इसके खिलाफ एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रमों के दौरान विभिन्न कार्यशालाएं और परामर्श सत्र आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है जागरूकता बढ़ाने के लिए पोस्टर, बैनर और पंपलेट वितरित किए गए। साथ ही नशा छोड़ने में इच्छुक व्यक्तियों को परामर्श और सहायता भी प्रदान की गई डॉ. रूमादेवी ने यह भी कहा कि यह अभियान जिसमें महिलाएं स्वयं जागरूकता बढ़ाने का काम कर रही है वो केवल शुरुआत है फाउंडेशन अगले चरणो में और अधिक गांवों और क्षेत्रों में इस पहल को ले जाएगा, ताकि बाड़मेर और इसके आसपास के इलाकों को नशामुक्त बनाने का सपना साकार हो सके।

ये है सामाजिक बदलाव की सूत्रधार

पोकरासर गांव से गोगी देवी, पपु, तगी देवी, झब्बू देवी, हुरमी देवी, अनसी देवी, कालू देवी, चन्नी देवी, इमियो देवी नेनू दुर्गी, इमरती देवी, जमना देवी, हिरोन देवी, अगरी, धर्मी देवी, केकु, चुन्नी, हेमी देवी व चुन्नी एरोवाला, सोडियार गांव से माली देवी, मिरो देवी, अनदु देवी, तुलसी देवी, तिजो देवी, मोहनी कुमारी, पुष्पा, गेरो देवी, धर्मी देवी, हरखू देवी, चुकी देवी, इमियो देवी, रूपो, मेघी, टिमु देवी, सोहनी कुमारी,रेवती लीला देवी, शालीनी व कमला देवी इसी तरह बलदेव नगर, बाड्मेर के भाग एक से वनु, राधा, पेम्पो देवी, भंवरी, रेशमी, परमेश्वरी, बेबी देवी, धर्मी देवी, अनिता, ललिता, ममता, मधु कंवर, पप्पू, चंद्रा, रेवती, गवरी, परमेश्वरी, शमदा देवी, चंपा देवी व राधा गाँव खारावाला बाड़मेर से पारू देवी जूंजी देवी, अनासी देवी, रूपो, भंवरी, मिरगो देवी, हरखू, सुआ देवी, शांति देवी, अनासी, हथु देवी, कमला, वन्नू देवी, लाली देवी, धर्मी देवी, गुमनी देवी, मोहनी, जेती देवी, अनु देवी व चंपा वहीं बलदेव नगर बाड़मेर के भाग दो से पूजा, कुमारी पुष्पा, पवनी देवी, पुरी देवी, रानी देवी, पेम्पी देवी, अमरती देवी, लक्ष्मी देवी, जमना, कमला कुमारी, अचली देवी, कमला देवी, दामी, देवी, नोजी देवी, पिंकी, शांति देवी, लीला, गीता व सूरज जसाई गांव से कांता देवी, अनसी, शायर देवी, धापू कुमारी, गंगा, रोशनी, मंजू, मीना, गुड्डी, मूली देवी गुड्डी जसु, सीता, कविता, रेणुका, मूली देवी, ममता, झमकू, जमना, गीता व भगवती मालपुरा गांव से रानी, छगनो देवी, मुली कुमारी, लक्ष्मी देवी,मुली देवी, मीना देवी, मिरो देवी, झिमो देवी, जस्सी देवी, मणि देवी, लक्ष्मी देवी, शांति देवी, गीता देवी, शांति देवी, पूरो देवी, अंसी देवी, नोजी देवी,जैती देवी चनानी देवी व पवनी देवी हाजाणियों की ढाणी, केरली सेराधा देवी, कविता, कमला देवी, गीता देवी, पिपली देवी, वाली कुमारी चुआ देवी, रेशमा, पपु देवी, हेमी बाई, गंगा देवी, चंपा देवी, अनिता देवी, सुआ कंचन, मीना गुड्डी, जमना देवी, ममता कपूरड़ी गांव से कमला चौधरी, गुड्डी, कमला देवी, कमला जानी, कमला, लीला, कविता, गंगा, ओमना, कमला देवी, कौशल्या देवी, जमना, गुड्डी, वसुन्धरा, कमला, गंगा देवी, गंगा देवी, पार्वती पदमि कुमारी व लीला बेनीवालसर खेमपुरा,बाड़मेर से परमेश्वरी देवी, अनासी देवी चुन्नी देवी चेनी कुमारी वीरो देवी, अणछी भंवरी देवी, कमला, मुली देवी, बाली देवी बेनीवाल, रामू देवी, लक्ष्मी कुमारी ,परमेश्वरी, वनु देवी, कमला देवी, भंवरी देवी, मूली कुमारी, भावना, मोहनी देवी व टुगी देवी बलदेव नगर बाड़मेर के भाग तीन से जमना,लक्ष्मी देवी, शांति देवी, गुमानी देवी, गीता देवी, शांति देवी, हफाली देवी, बेबी देवी, धानी, मालू देवी, खेमी, पापु, पापु, कमला देवी, पावनी, पुष्पा देवी, गुड़िया, परमेश्वरी, प्यारी व तुलसी बिसारनिया गांव से कसुंबी देवी,यशोदा देवी, गैरों देवी, आशु देवी, कविता, देवो देवी, मोहनी, गुड्डी,स्वरूपी, पप्पू देवी,चुन्नी देवी,लक्ष्मी देवी, गुलाबी देवी,लीला,असली देवी, कमला, गीता,अणसी देवी व मनीषा। बसरा गांव से शांति देवी, वरजू देवी, सुशिया, मखनी देवी, सुगनी देवी, गुड्डी देवी, लहरी, झमु देवी, नोखा देवी, राधा देवी, कुंता कुमारी, गीता देवी, उगी देवी, गंगा देवी, अमीयो, उर्मिला, कांता देवी, पांची, अनु देवी, पिपली सुथारो की ढाणी, सनावड़ा - गीता देवी, जसोदा, छगनी देवी, परमेश्वरी देवी, नोजी, माया, पुष्पा देवी, वैष्णो देवी, मांगी देवी, पुष्पा, कैसी देवी, मांगी,हवा देवी,जमुना,तीजो देवी, मांगी देवी, गोमी देवी, हरिया देवी,वरजूदेवीव चैनी देवी बलदेव नगर भाग चार से खेतू प्रजापत, अनीता, गीता देवी, दया, निर्मला,तिबू, सुशीला, जसू कंवर,प्रकाश कंवर, इवान, हेमलता, सती देवी, गुड्डी देवी, चुकी,पालु,दया, निरमा,इंदिरा देवी, अंतरी देवी, चंद्रा देवी लाभू का तला- तारी देवी, राजो, वन्नू, जमना, शांति, यशोदा, प्रेमी देवी, मीरा, गवरी, मांगी, गोमी देवी, इमिया देवी, धोल देवी, मूमल, टिमो, चतरु देवी, चांदनी, मूली देवी, गवरी व खेमी देवी। जाखडो की ढाणी से अमरू देवी, वरजू, मंजू कुमारी, अणसी, नेनु देवी, जतु , हवा कुमारी, गोमी चौधरी, सीमा कुमारी, इमरती, लक्ष्मी देवी, भूरी देवी, भूरी देवी, धर्मी, अचली, ममता, सारो देवी, सुगनी, सुगनी व हेमी ने रूमा देवी फाउंडेशन के नशामुक्त परिवार बनाने का संकल्प लेते हुए अपने अपने गाँव में जागरूकता बनाये रखने के लिए अगुवा बनी।

नई दिल्ली में राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने परिवहन विकास परिषद की 42वीं बैठक में लिया भाग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में आयोजित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की संयुक्त बैठक तथा परिवहन विकास परिषद की 42वीं बैठक में शिरकत की। नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में मंगलवार को आयोजित इस बैठक में राष्ट्रीय परिवहन नीति, सड़क सुरक्षा के व्यापक उपाय एवं परिवहन क्षेत्र में डिजिटल समाधानों के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही, वाहनों के प्रदूषण नियंत्रण, ईंधन दक्षता में सुधार, तथा सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुदृढ़ बनाने के विषय में भी गहन विचार-विमर्श किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि इस तरह के संवाद क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और पूरे देश में परिवर्तनकारी परिवहन नीतियों के समान कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं।

दवाओं और गहनों की गुणवत्ता की हो नियमित जांच-गोदारा

जयपुर @ जागरूक जनता। खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि आगामी समय में शादियों के सीजन को ध्यान में रखते हुए ज्वेलरी की गुणवत्ता की जांच के लिए अभियान शुरू करें। गोदारा ने मंगलवार को सचिवालय में राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद की बैठक में अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश के लोग अपनी आय को ज्वेलरी खरीदने में ज्यादा धन ख़र्च करते हैं।वो किसी भी प्रकार से ठगी के शिकार नहीं हो इसके लिए उन्हें जागरूक करना आवश्यक है। साथ ही, निर्देश दिए कि दुकानदार द्वारा उपभोक्ता को दिये गए बिल पर हॉल मार्क की जानकारी अवश्य लिखी होनी चाहिये। सर्राफा बाजार में हॉल मार्क सेंटर की जानकारी क्यू आर कोड के माध्यम से दी जाए। अभी तक राज्य में कुल 20 जिलों में हॉलमार्क सेंटर स्थापित किये जा चुके हैं। गोदारा ने उपभोक्ताओं के अधिकारों के संवर्धन व संरक्षण के लिए एवं उपभोक्ताओं को त्वरित राहत प्रदान करने के लिए इनका समयबद्ध रूप से निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। दुकानदारों द्वारा दिये जाने वाले बिल पर उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर अंकित किये जाए, सभी को यह जानकारी होनी चाहिये कि यदि आप उत्पाद से संतुष्ट नहीं है तो निर्धारित हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

हेमराज खींची के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर में शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर।जयपुर ग्रेटर नगर निगम के वार्ड नं. 147 से प्रत्याशी रहे हेमराज खींची के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर अमरुदो के भाग में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया जिसके मुख्य अतिथि माननीय मदन दिलावर शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया एवं जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित की। ब्लड मोटीवेटर जेपी बुनकर ने बताया कि जिस व्यक्ति की आयु 18 वर्ष से 60 वर्ष के मध्य हो जिसका हीमोग्लोबिन 12.5 से अधिक हो और उसके किसी प्रकार का कोई रोग ना हो वह स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है, साथ ही हमें अधिक से अधिक स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना चाहिए । अखिल भारत सेवा दल के सचिव विनोद नायक ने प्रशस्ति पत्र देकर इसे महान कार्य बताया । समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि इस दौरान 21 यूनिट रक्त संग्रहण किया गया । मुकेश गर्ग प्रदेश महामंत्री एससी मोर्चा, मुकेश किराड़ प्रदेश महामंत्री एससी, मोर्चा दिनेश वर्मा, प्रदेश मंत्री एससी मोर्चा, हेमराज गंगवाल पूर्व प्रदेश मंत्री एससी मोर्चा, संजय चंदेल मीडिया प्रभारी ऐसी मोर्चा, राज्यपाल सांमरिया कार्यालय मंत्री ऐसी मोर्चा, अशोक बागड़ी जिला उपाध्यक्ष, एससी मोर्चा एवं विश्व हिन्दू परिषद् जिला मंत्री अनिल खंडेलवाल एवं उनकी टीम, कठपुतली कॉलोनी अध्यक्ष डॉ. ओ पी टांक, मंडल अध्यक्ष एस सी मोर्चा, गजानंद खींची, संदीप शर्मा एवं विभिन्न गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पाकिस्तान से अजमेर पहुंचे 89 जायरीन

छावनी बना सेंट्रल गलर्स स्कूल, ख्वाजा के दर पर चढाएंगे 'अमन' की चादर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के 813वें उर्स के मौके पर हजारों जायरीन अजमेर पहुंच रहे हैं। आज कुल की रस्म अदा की जाएगी। वहीं पाकिस्तान से 89 जायरीन का जत्था भी मंगलवार तड़के 3 बजे राजस्थान के अजमेर पहुंचा। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के भारी इंतजाम किए गए थे। जत्थे के साथ पाकिस्तानी दूतावास के दो अधिकारी भी शामिल थे।

पाकिस्तान से अजमेर पहुंचे जायरीन रेलवे स्टेशन पर काफी खुश नजर आए। रेलवे स्टेशन पर भारी पुलिस जाप्ते के बीच मीडिया से बातचीत में जायरीनों ने कहा कि वे अजमेर आकर बेहद खुद हैं और यहां पूरी दुनिया के लिए अमन शांति की दुआ मांगेंगे। इसके साथ ही जायरीनों ने कहा कि दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे ताल्लुकात हैं। ये और बेहतर बनें, इसके लिए हम सभी दुआ करेंगे। इसके साथ ही भारत और पाकिस्तान में अमन-चैन बना रहे इसके लिए ख्वाजा के दर पर चादर चढ़ाएंगे।

काफी खुश नजर आए जायरीन

उन्होंने कहा कि हम बेहद खुशकिस्मत हैं कि हमें ख्वाजा के दर आने का मौका मिला। अजमेर में पुलिस और प्रशासन के पुख्ता इंतजाम देखकर जायरीन काफी प्रसन्न नजर आए। उन्होंने अजमेर शहर को काफी खूबसूरत और अजमेर के लोगों को नेक दिल वाला बताया। उन्होंने कहा कि हमें यहां तक पहुंचने में किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा है।

सेंट्रल गर्ल्स स्कूल भेजा गया

वहीं रेलवे स्टेशन पर कड़ी सुरक्षा के बीच सभी को रिसीव कर सेंट्रल गर्ल्स स्कूल (अजमेर) भेजा गया। यहीं पर इनके ठहरने की व्यवस्था की गई है। सीआईडी जोन की ओर से सेन्ट्रल गर्ल्स स्कूल प्रवेश द्वार पर सुरक्षा का कड़ा इंतजाम किया गया है। स्कूल के प्रवेशद्वार व छत पर हथियारबंद सुरक्षाकर्मी तैनात किए हैं। दो डोरफ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी) लगाए गए हैं। कैंप से बाहर निकलने वाले पाक जायरीन का ऑनलाइन रिकॉर्ड रखा जाएगा।

200 से ज्यादा जवान तैनात

एसपी वंदिता राणा ने बताया पाक जायरीन की सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सेन्ट्रल गर्ल्स स्कूल से दरगाह आने-जाने वाले रास्ते में भी पुख्ता सुरक्षा इंतजाम हैं। इसके लिए 200 से ज्यादा पुलिस अधिकारी और जवान तैनात हैं।

आंकड़ा 100 के भीतर सिमटा

उर्स में आने वाले पाक जायरीन का आंकड़ा सिमट कर 100 के भीतर आ गया। सूत्रों के अनुसार 89 पाक जायरीन अटारी बॉर्डर से भारत में दाखिल हुए। उन्हें सुरक्षाकर्मी सोमवार सुबह अटारी से दिल्ली लेकर पहुंचे थे। शाम 7 बजे दिल्ली से अजमेर के लिए ट्रेन से रवाना हुई, जो कि तड़के 3 बजे पहुंची।